RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com सोमवार , 06 जुलाई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 106 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रु. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल 'भारत की ऊर्जा रणनीति का प्रमुख स्तंभ'

ई-20 पेट्रोल पर सरकार ने 10 बड़े सवालों के दिए जवाब, इथेनोल मिश्रण होने से माइलेज में कमी की बात मानी

नई दिल्ली/एजेंसी

केन्द्र सरकार का कहना है कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम भारत की ऊर्जा रणनीति का प्रमुख स्तंभ है। इसकी प्रगति वैज्ञानिक मूल्यांकन, चरणबद्ध कार्यान्वयन और सरकार, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग को दशार्ती है। कार्यक्रम ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत, उत्सर्जन को कम और किसानों के लिए आय के नए अवसर पैदा किए हैं। इसने कच्चे तेल के आयात को भी कम किया है और घरेलू स्तर पर उत्पादित नवीकरणीय ईंधन के उपयोग को बढ़ावा दिया है। ईबीपी कार्यक्रम स्वच्छ, अधिक लचीले और आत्मनिर्भर परिवहन ईंधन पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देना जारी रखेगा। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पर लगातार एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर विभिन्न नकारात्मक दावे सामने आ रहे हैं। इन दावों में कहा जा रहा है कि एथेनॉल से गाड़ियों को नुकसान हो रहा है, जल संसाधन पर दवाब बढ़ रहा है और कार्यक्रम से लाभ होने की बजाय हानि हो रही है। इसी को लेकर पत्र सूचना कार्यालय ने विस्तार से दावों का खंडन करते हुए स्थिति स्पष्ट की है। इन दावों पर स्पष्टीकरण देते हुए विस्तार से एक-एक दावे का खंडन किया गया है। सरकार का कहना है कि भारत अपनी खपत का लगभग 88.5 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। विदेशों से खरीदा गया तेल का प्रत्येक बैरल देश को मूल्य में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति में अचानक होने वाली समस्याओं के जोखिम में डालता है, जिन पर उसका कोई नियंत्रण नहीं होता। भारतीय गन्ने, मक्का और चावल से उत्पादित एथेनॉल घरेलू संसाधनों का उपयोग करके इस जोखिम को कम करने का एक तरीका प्रदान करता है।

310 लाख मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल का विकल्प का विकल्प तैयार हुआ

सरकार के मुताबिक 2014-15 से विदेशी मुद्रा में 1.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। 310 लाख मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल का विकल्प का विकल्प तैयार हुआ है। करीब 930 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आई है। वहीं, किसानों को 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त आय हुई है। सरकार ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से एथेनॉल से जुड़े दावों का खंडन और स्थिति स्पष्ट की है-

दावा- ई20 इंजनों विशेषकर पुराने इंजनों को नुकसान पहुंचाता है

स्थिति -ई20 के लॉन्च के बाद से इससे संबंधित इंजन फेलियर का कोई व्यापक मामला सामने नहीं आया है। ई20 को एसआईएएम, एआरएआई और आईओसीएल द्वारा वाहन निमार्ताओं के साथ व्यापक परीक्षण के बाद ही मंजूरी दी गई थी।

दावा - इथेनॉल उच्च-प्रदर्शन वाला ईंधन नहीं है और वाहन के प्रदर्शन को कम करता है।

स्थिति -इथेनॉल एक उच्च-ऑक्टेन ईंधन है, जिसका शोधित ऑक्टेन नंबर लगभग 108.5 है, जबकि पेट्रोल का 84.4 है। ई20 भारतीय पेट्रोल की प्रभावी ऑक्टेन रेटिंग को लगभग 95 तक बढ़ा देता है, जिससे आधुनिक इंजनों में दहन बेहतर होता है। ई20 के लिए कैलिब्रेट किए गए वाहन बेहतर त्वरण, सुचारू प्रदर्शन और कम उत्सर्जन प्रदान कर सकते हैं।

दावा - ई20 ईंधन से माइलेज 30 प्रतिशत तक कम हो जाता है।

स्थिति - 30 प्रतिशत का आंकड़ा केवल पेट्रोल की तुलना में इथेनॉल के कम कैलोरी मान को दर्शाता है, न कि वास्तविक माइलेज में गिरावट को। माइलेज ईंधन के प्रकार की तुलना में ड्राइविंग की आदतों, टायर के दबाव, सर्विसिंग और एसी लोड पर कहीं अधिक निर्भर करता है।

बीमा कंपनियाँ ई20 से संबंधित नुकसान के दावों को अस्वीकार करती हैं

स्थिति-बीमाकर्ताओं और निर्माताओं ने स्पष्ट किया है: भारत में ई20 का बीमा या वारंटी की वैधता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। एसआईएएम ने स्पष्ट रूप से पुष्टि की है कि विनिर्देशों के अनुरूप ई20 पर चलने वाले वाहनों की वारंटी मान्य होगी।

दावा - इथेनॉल मिश्रित ईंधन सस्ता होना चाहिए लेकिन सरकार इसका लाभ उठा रही है।

स्थिति -इस दावे के लिए उद्धत नीति आयोग की रिपोर्ट 2020-21 की है, जब इथेनॉल वास्तव में पेट्रोल से सस्ता था। तब से इथेनॉल की खरीद लागत परिष्कृत पेट्रोल की लागत से अधिक हो गई है, फिर भी ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण और कृषि आय में वृद्धि के कारण इसका उपयोग अनिवार्य बना हुआ है।

दावा - सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि ई20 केवल एक 'प्रयोग' है।

स्थिति -यह मामला इथेनॉल खरीद अनुबंधों से संबंधित था- ई20 के गुणों से नहीं। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने 30.06.2026 को स्पष्ट किया कि 'प्रयोग' का दावा गलत है।

दावा - गन्ने का रस सचमुच पेट्रोल में मिलाया जाता है।

स्थिति-पेट्रोल में कच्चे रस को मिलाते हुए वायरल वीडियो भ्रामक हैं। इथेनॉल किण्वन और औद्योगिक प्रक्रियाओं द्वारा उत्पादित होता है, जिससे इसके गुण पूरी तरह बदल जाते हैं और मिश्रण से पहले इसे ईंधन की गुणवत्ता के सख्त मानकों को पूरा करना **आवश्यक है।**

दावा - 1 लीटर इथेनॉल के उत्पादन में 10,000 लीटर पानी की खपत होती है।

स्थिति -एक इथेनॉल संयंत्र प्रति लीटर इथेनॉल के लिए केवल 3-5 लीटर संसाधित पानी का उपयोग करता है। आधुनिक डिस्टिलरी शून्य तरल निर्वहन प्रणाली (जीरो लिक्विड डिस्चार्ज) का उपयोग करती हैं। धान की खेती के संपूर्ण कृषि जल पदचिह्न को इथेनॉल उत्पादन से जोड़ना गलत है। केवल अतिरिक्त चावल, जिसे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद डीएफपीडी द्वारा निर्धारित और अनुमति दी जाती है, को ही इथेनॉल उत्पादन के लिए उपयोग में लाया जाता है।

दावा - ई20 में चीनी होने के कारण चींटियाँ और मधुमक्खियाँ ईंधन के ढक्कनों पर झुंड बनाकर जमा हो जाती हैं।

स्थिति -ईथेनॉल ईंधन का आसवन किया जाता है- अवशिष्ट शर्करा को हटा दिया जाता है। इसमें कीट-विकर्षक विकृतीकरण पदार्थ होते हैं, पेट्रोल की गंध हावी होती है और ई20 सामान्य पेट्रोल की तुलना में कम वाष्प उत्पन्न करता है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: दत्तात्रेय होसबाले के बयान से पूरी तरह सहमत हूं: मोहन भागवत

नागपुर/एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि वह राम मंदिर चंदे के मामले पर संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले की बात से सहमत हैं। नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए भागवत ने कहा, "होसबाले जी का बयान देखिए... मेरी भी वही प्रतिक्रिया है।" आरएसएस प्रमुख ने यह प्रतिक्रिया एक कार्यक्रम के दौरान दी, जब उनसे राम मंदिर चंदे में हेराफेरी के विवाद पर उनकी राय पूछी गई।

होसबाले ने क्या कहा था?

शुक्रवार को एक बयान में होसबाले ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर में कथित दान चोरी ने पूरे समाज की भावनाओं और आस्था को गहरा ठेस पहुंचाई है और यह पक्का करने की मांग की कि जांच के बाद जो भी दोषी पाया जाए उसे कड़ी सजा मिले।

हिंदू समाज से की ये अपील

उन्होंने जोर देकर कहा कि "हिंदू-विरोधी और देश-विरोधी ताकतें" "इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना" का फायदा उठाकर हिंदू धर्म को बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं और हिंदू समाज से "इस मुश्किल समय" में ऐसी "साजिशों" को नाकाम करने के लिए जरूरी सब्र और संयम दिखाने को कहा।

फर्जी सीबीआई अधिकारी बनकर साइबर ठगी करने वाला युवक गिरफ्तार

थाना जहानाबाद पुलिस और साइबर सेल की बड़ी कामयाबी

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। थाना जहानाबाद पुलिस और जनपदीय साइबर सेल ने फर्जी सीबीआई अधिकारी बनकर लोगों से साइबर ठगी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी बिंदकी के नेतृत्व में साइबर सेल ने एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायत की जांच की। जांच में सामने आया कि आरोपी ने स्वयं को सीबीआई अधिकारी बताकर मुंबई निवासी एक व्यक्ति को अश्लील वेबसाइट देखने और उसके नाम पर शिकायत दर्ज होने का भय दिखाया। इसके बाद विभिन्न क्यूआर कोड के माध्यम से पीड़ित से 28,540 रुपये की साइबर ठगी कर ली। तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल नंबर की लोकेशन के आधार पर पुलिस ने शनिवार को ग्राम नरायनपुर मजरे कलाना, थाना जहानाबाद निवासी धीरेन्द्र (19) पुत्र बाबू सिंह

को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर व्हाट्सएप कॉल के जरिए लोगों से संपर्क करता था और स्वयं को सीबीआई अधिकारी बताकर अश्लील वीडियो देखने के नाम पर मुकदमा दर्ज होने व गिरफ्तारी का डर दिखाता था।

लोगों का विश्वास जीतने के लिए पुलिस अधिकारियों की तस्वीर लगी व्हाट्सएप डीपी, पुलिस कार्रवाई के फर्जी वीडियो और साथियों से वरिष्ठ अधिकारी बनकर बातचीत कराई जाती थी। इसके बाद विभिन्न बैंक खातों और ऑनलाइन गेमिंग क्यूआर कोड के जरिए रकम ट्रांसफर कराई जाती थी। आरोपी ने यह भी बताया कि ठगी से प्राप्त धनराशि को अलग-अलग बैंक खातों और डिजिटल वॉलेट के माध्यम से स्थानांतरित कर एटीएम से नकद निकाल लिया जाता था। घटना के बाद इस्तेमाल किए गए क्यूआर कोड और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को मोबाइल से हटा दिया जाता था।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना जहानाबाद में संबंधित धाराओं एवं आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है। पुलिस उसके अन्य साथियों की तलाश में जुटी है।

एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित अभियान ह्यमिशन शक्ति अभियान के फेज-5.0 के द्वितीय चरणह्ल के तहत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करने व महिलाओं की सुरक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जनपद के सभी थानों द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा ग्राम चौपाल लगाकर समस्याओं के त्वरित एवं विधिपूर्ण निस्तारण हेतु ग्रामीणों से संवाद कर जागरुक किया गया । रविवार को अभियान के अंतर्गत सभी थानों की मिशन शक्ति / एंटीरोमियो टीमों द्वारा बाजारों, सार्वजनिक स्थलों पर जाकर बालिकाओं, महिलाओं एवं आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के तहत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम व उनके अधिकारों की रक्षा एवं आत्मरक्षा के उपायों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रमों के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता नंबर 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा cyber-crime.gov.in पोर्टल की जानकारी देकर इन सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया ।

पुलिस ने 9 शातिर अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में 9 शातिर अपराधियों पर चोरी, लूट, नकबजनी, गोवध आदि से संबंधित अभ्यस्त अपराधी जिनके विरूद्ध जनपद फतेहपुर व अन्य जनपदों के विभिन्न थानों पर 53 से अधिक अभियोग पंजीकृत हैं। सतत निगरानी हेतु उनकी हिस्ट्रीशीट खोली गई है। मलवा में यासीन उर्फ यासिर निवासी ग्राम सूपा थाना मलवां फतेहपुर, उम्र 55 वर्ष, रोहित कुमार निवासी देवमई थाना मलवां फतेहपुर, उम्र 23 वर्ष, मो० नफीस पुत्र मो० नसीम निवासी ग्राम खेदई थाना खागा फतेहपुर, उम्र 34 वर्ष, रूपचन्द्र उर्फ ललित पुत्र शीललाल निवासी बरकतपुर, गोवध के अपराध में थाना खागा जनपद फतेहपुर, उम्र 27 वर्ष, इन्द्रजीत सिंह उर्फ टिर्रा पुत्र स्व० गया सिंह निवासी रामपुर थाना किशनपुर फतेहपुर, उम्र 45 वर्ष, धर्मेन्द्र सोनकर निवासी जौनिहा थाना बिन्दकी फतेहपुर, उम्र 36 वर्ष शामिल हैं। इसी प्रकार अंकित निवासी रानीताला लच्छी खेड़ा मजरे देवमई थाना बकेवर फतेहपुर, उम्र 23 वर्ष, अखिलेश कुमार पासवान उर्फ अखिल निवासी रानीताला लच्छी खेड़ा मजरे देवमई थाना बकेवर फतेहपुर, उम्र 23 वर्ष, दीपक निवासी अमौली थाना चाँदपुर फतेहपुर, उम्र 25 वर्ष हैं। एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने इन शातिरों पर कड़ा अंकुश लगाने के निर्देश दिए हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में मां बेटे की मौत जहर खाया कि खिलाया

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के पाण्डेय मऊ गांव में रविवार को मां और बेटे की जहरीले पदार्थ के सेवन से मौत हो गई है अब मां बेटे ने खुद जहर खाया है कि परिवार के लोगों ने जहर खिला दिया है यह लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है मां बेटे की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया है लेकिन तब तक देर हो चुकी थी मां बेटे की मौत हो गई है डॉक्टर ने दोनों के मौत की पुष्टि कर दी है सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मां बेटे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घटना की जांच पड़ताल कर रही है दो लोगों की मौत का मामला बड़ा गंभीर है आत्महत्या के साथ-साथ हत्या के

बिंदुओं पर भी सूक्ष्म जांच किए जाने की जरूरत है

जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के पांडे मऊ गांव निवासी सुंदरी देवी उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्री जगलाल की शादी 5 वर्षों पहले कोखराज थाना क्षेत्र के तकीपुर गांव निवासी धनराज के साथ हिंदू रीति रिवाज से हुई थी दंपति के बीच एक बेटा युवराज उम्र 3 वर्ष और बेटी गुड़िया 3 माह की है रविवार को महिला और उसके बेटे युवराज की अचानक हालत बिगड़ गई उल्टियां होने लगी और मौके पर दोनों अचेत हो गए घटना की जानकारी मिलते ही घर परिवार के साथ-साथ गांव के लोगों की भीड़ मौके पर लग गई और उसके बाद मां बेटे को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन डॉक्टरों ने बताया कि दोनों की मौत जहर की तीव्रता से हो गई है परिजनों का कहना है कि मां बेटे ने जहर खा लिया उनकी मौत हो गई लेकिन महिला और बेटे ने जहर खाया है या किसी ने उनको जहर खिलाया है यह पुलिस के लिए बड़ी जांच का विषय है सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मां बेटे दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है लेकिन एक साथ दो लोगों की मौत के बाद तमाम बड़े सवाल खड़े हो गए हैं कि आखिर महिला उसके बेटे की मौत कैसे हुई है विवाद का क्या कारण था।

कांवड़ यात्रा-2026 की तैयारियों पर बिजनौर-हरिद्वार पुलिस की संयुक्त आयोजित बैठक श्यामपुर में

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से बिजनौर और हरिद्वार जिलों के पुलिस अधिकारियों की एक संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित की गई। यह बैठक 05 जुलाई 2026 को हरिद्वार के थाना श्यामपुर क्षेत्र में हुई।

बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक यातायात हरिद्वार निशा यादव और पुलिस अधीक्षक यातायात बिजनौर गौतम राय ने की। इस दौरान कांवड़ यात्रा के सफल संचालन के लिए दोनों जनपदों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया।

चर्चा के मुख्य बिंदुओं में यातायात व्यवस्था, रूट डायवर्जन, भारी वाहनों का संचालन, कांवड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सूचना का आदान-प्रदान, सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रभावी पुलिसिंग और कानून-व्यवस्था बनाए रखना। अधिकारियों ने बेहतर तालमेल और निरंतर संवाद बनाए रखने पर बल दिया।इस बैठक में जनपद बिजनौर की ओर से क्षेत्राधिकारी यातायात/नजीबाबाद, थाना प्रभारी नजीबाबाद, थाना प्रभारी मंडावली और ट्रैफिक प्रभारी बिजनौर उपस्थित रहे। वहीं, जनपद हरिद्वार से क्षेत्राधिकारी सिटी हरिद्वार, क्षेत्राधिकारी यातायात हरिद्वार, थाना प्रभारी श्यामपुर और ट्रैफिक प्रभारी हरिद्वार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बैठक के समापन पर, दोनों जनपदों के अधिकारियों ने आपसी समन्वय और सहयोग के साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

शातिर पशु चोरों से पुलिस मुठभेड़, घायल बदमाश समेत 6 गिरफ्तार

तमंचा, कारतूस, एक महिन्द्रा पिकअप व दो चोरी की भैंस बरामद

हनुमान प्रसाद शुक्ल

बुलंदशहर। गुलावठी पुलिस व स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में बदमाशों के साथ हुई मुठभेड़ में एक शातिर पशु चोर घायल हो गया। बाद में पुलिस ने उस घायल पशु चोर समेत कुल छह शातिरों को गिरफ्तार कर लिया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने बदमाशों को घेरने का प्रयास किया गया। अपने आपको घिरता देख बदमाश द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग की गयी, पुलिस टीम द्वारा की गयी आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। घायलावस्था में अन्य पांच साथियों सहित गिरफ्तार किया गया। एक बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा जिसकी काम्बिंग कर गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं। गिरफ्तार व घायल बदमाश की पहचान वसीम कुरैशी निवासी पुरानी चुंगी ईदगाह गली नं0 9 थाना कोतवाली नगर जनपद हापुड़ पुराना पता- लौगला थाना अगौता जनपद बुलन्दशहर के रूप में हुई। इसके अलावा अदनान कुरैशी पुत्र मारूफ कुरैशी निवासी दोतई थाना गढ़मुक्तेश्वर जनपद हापुड़ हाल पता शहीदनगर जयपाल चौक गली नं 04 थाना साहिबाबाद गाजियाबाद, मोसिन कुरैशी निवासी डवारसी थाना मसूरी जनपद गाजियाबाद, इकराम कुरैशी निवासी अरसैनी थाना गढ़मुक्तेवर जनपद हापुड़ हाल पता रेलवे स्टेशन के सामने मस्जिद के पास थाना मसूरी जनपद गाजियाबाद, शिवकुमार जाटव निवासी ग्राम सैदपुरा थाना औरंगाबाद बुलन्दशहर हाल पता जसरूप नगर दस्तोई रोड एचपी गोदाम के सामने थाना हापुड़ नगर जनपद हापुड़ और कामयाब निवासी बसन्त गढ़ी फातमा मस्जिद के पास थाना मसूरी जनपद गाजियाबाद के रुप में हुई है। घायल बदमाश को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उल्लेखनीय है कि पकड़े गए बदमाश शातिर किस्म के पशु चोर हैं। घायल बदमाश वसीम कुरैशी के विरुद्ध करीब एक दर्जन अभियोग पंजीकृत हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों को जेल भेजा गया।

कड़ा धाम: श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सेवा में पूरी मुस्तैदी से जुटी कौशाम्बी पुलिस

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। आषाढ़ मेला-2026 में पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी सत्यनारायण के निर्देशन में कौशाम्बी पुलिस द्वारा सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की जा रही है। मेला परिसर, प्रमुख मार्गों, पार्किंग स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात है, जो पूरी मुस्तैदी एवं सतर्कता के साथ ड्यूटी का निर्वहन करते हुए श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम दर्शन कराने के साथ-साथ आवश्यक सहायता भी निरंतर उपलब्ध करा रहा है।

इसी क्रम में मेले के दौरान अपने परिजनों से बिछुड़ी राजवंती पत्नी राधेलाल, उम्र लगभग 65 वर्ष, निवासी असरपुर, थाना रांझाड़ा, जनपद शामली को थाना कड़ाधाम पुलिस द्वारा सकुशल खोजकर उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

वहीं जिशांत पुत्र अर्जुन, उम्र लगभग 4-5 वर्ष, निवासी ग्राम खुचकिमाई दारानगर, थाना सैनी, जनपद कौशाम्बी, मंदिर परिसर में अपने परिजनों से बिछड़ गया था। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस एवं खोया-पाया केंद्र ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बालक को सकुशल बरामद किया तथा अभिभावकों की पहचान का सत्यापन कर उसे सुरक्षित उनके सुपुर्द किया गया।

मेले के दौरान तैनात महिला आरक्षी सुनीता यादव द्वारा एक बुजुर्ग महिला को सुरक्षित एवं सुगमता के साथ माता शीतला के दर्शन कराने में सहयोग प्रदान किया गया, जिसकी श्रद्धालुओं एवं उनके परिजनों द्वारा सराहना की गई।

कौशाम्बी पुलिस आषाढ़ मेला-2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सेवा के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है तथा मेले को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सकुशल संपन्न कराने हेतु निरंतर सतर्क एवं सक्रिय है।

साइबर जागरूकता एवं नए कानूनों के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया गया

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। एसपी सत्यनारायण के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक तथा समस्त क्षेत्राधिकारीगण के पर्यवेक्षण में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0, साइबर जागरूकता अभियान एवं नए आपराधिक कानूनों के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान पुलिस टीमों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण के संबंध में जागरूक करते हुए साइबर अपराधों से बचाव के उपाय, गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों तथा नए आपराधिक कानूनों की महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। साथ ही सास-बहू सम्मेलन एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न महिला सुरक्षा योजनाओं एवं हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई।

इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा सहित महिला हेल्पडेस्क, एंटी रोमियो टीम, मिशन शक्ति केंद्र एवं संबंधित थानों के सीयूजी नंबरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर आवश्यकता पड़ने पर इन सेवाओं का निर्भीक होकर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्यमंत्री योगी के आने से पहले सबकुछ दुरुस्त करने में जुटा प्रशासन, डीएम ने संभाली कमान

मीरजापुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित आठ जुलाई के दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया है। रविवार को जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने विंध्याचल पहुंचकर हेलीपैड, मां विंध्यवासिनी मंदिर परिसर और प्रस्तावित कार्यक्रम मार्गों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को तैयारियों में कोई कमी न छोड़ने के निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरूआत विंध्याचल स्थित हेलीपैड से हुई, जहां जिलाधिकारी ने सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, अग्निशमन उपकरणों और एंबुलेंस की उपलब्धता का जायजा लिया। लोक निर्माण विभाग को हेलीपैड से मंदिर तक की सड़क को गड्ढामुक्त कराने और

पूरे मार्ग पर बैरिकेडिंग लगाने के निर्देश दिए गए। वहीं नगर पालिका को विशेष अभियान चलाकर साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

इसके बाद जिलाधिकारी ने विंध्यधाम में दर्शन व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने गर्भगृह, दर्शन पथ, प्रसाद काउंटर और शौचालयों की व्यवस्था देखी तथा निर्देश दिया कि वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा प्रभावित न हो। इसके लिए अलग रूट प्लान तैयार करने को कहा गया।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों से कहा कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं। सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित दौरे की तैयारियां तेज

एडीजी ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बांदा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित जनपद दौरे को लेकर प्रशासन और पुलिस महकमा पूरी तरह अलर्ट मोड में है। कार्यक्रम को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) प्रयागराज जोन ज्योति नारायण ने पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र राजेश एस., पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल तथा अन्य अधिकारियों के साथ पुलिस लाइन और प्रस्तावित कार्यक्रम पंडित जवाहर लाल नेहरु पीजी कालेज स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान एडीजी ने पुलिस लाइन में सुरक्षा व्यवस्था, ड्यूटी प्लान, पुलिस बल की उपलब्धता, वाहन प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर सुरक्षा घेरा, प्रवेश एवं निकास मार्ग, वीवीआईपी मूवमेंट, बैरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं समेत विभिन्न व्यवस्थाओं का सूक्ष्म निरीक्षण किया।

एडीजी ज्योति नारायण ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और सतर्कता के साथ निर्वहन करें।

उन्होंने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने, पार्किंग स्थलों का सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के लिए समुचित कार्ययोजना के अनुरूप आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं और कार्यक्रम स्थल के प्रत्येक बिंदु पर प्रभावी निगरानी रखी जाए। अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

पुलिस का बड़ा एक्शन महिला से दरिंदगी और मासूम से अश्लील हरकत करने वाले 3 शातिर दबोचे

मुख्य आरोपी सुहैल निकला हिस्ट्रीशीटर

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! नजीबाबाद पुलिस ने महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर कड़ा प्रहार किया है। पुलिस टीम ने सामूहिक दुष्कर्म(गलत कार्य), जान से मारने की धमकी और पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहे तीन मुख्य अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। इनमें से एक अभियुक्त का लंबा आपराधिक इतिहास भी सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 25 जून 2026 को एक वादिनी (पीडिता) ने थाना नजीबाबाद में लिखितं तहरीर देकर आरोप लगाया था कि अभियुक्त मुर्तजा, सुहैल, जैद और बाबी ने उसके साथ जबरन गलत कार्य (दुष्कर्म) किया। जब उसने इस कृत्य का विरोध किया, तो आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी। इन दरिंदों ने घर में घुसकर वादिनी की नाबालिग पुत्री के साथ भी अत्यंत अश्लील हरकतें कीं। इस गंभीर तहरीर के आधार पर थाना नजीबाबाद में तत्काल मु०अ०सं० 311/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 70 (1), 74, 333, 351(2), 115(2) और 9(ट)/10

पॉस्को एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू की गई थी। नजीबाबाद पुलिस ने जाल बिछाकर दबोचे आरोपी थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही थी। दिनांक 5 जुलाई 2026 को पुलिस ने सटीक सूचना के आधार पर इस घिनौने अपराध में शामिल 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त मौ० मुर्तजा पुत्र मौ० साबिर (निवासीः ग्राम कल्हेड़ी, थाना नजीबाबाद), सुहैल पुत्र मौ० असलम (निवासीः ग्राम कल्हेड़ी, थाना नजीबाबाद) मौ० जैद पुत्र लतीफ अहमद (निवासीः ग्राम धनौरा, थाना नजीबाबाद) हैं। गिरफ्तार अभियुक्त सुहैल का खौफनाक आपराधिक इतिहास सामने आया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार अभियुक्त सुहैल एक शातिर और आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ नजीबाबाद, कीरतपुर और कोतवाली शहर बिजनौर में चोरी, आर्म्स एक्ट (अवैध हथियार) और गंभीर धाराओं में पहले से ही कई मुकदमे दर्ज हैं। इस सराहनीय और त्वरित कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक श्री अमित कुमार, निरीक्षक श्री वेदपाल सिंह पुंडीर, उपनिरीक्षक (उ०नि०) श्री अनीस अहमद, कांस्टेबल 1273 सनूज कुमार और कांस्टेबल 2131 सुभाष शामिल रहे। पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ आगे की विधिक कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

सदर इमामबारगाह में उठा "72 ताबूत" का कदीमी जुलूस, हजारों लोगों ने पेश किया पुरसा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी के सदर इमामबारगाह, सरैया में रविवार को मशहूर "72 ताबूत" (बहत्तर ताबूत) की मजलिस-ए-अजा और जुलूस का आयोजन किया गया। यह जुलूस इस साल अपने 12वें दौर में दाखिल हुआ। दिन में जैसे ही 72 ताबूत उठाए गए, पूरा इमामबारगाह "या हुसैन" की सदाओं से गूँज उठा और अजादारों ने पुरनम आँखों से कर्बला के शहीदों को खिराजे-अकीदत पेश किया। हजरत अली समिति के सदस्य सलमान हैदर ने बताया कि ये 72 ताबूत कर्बला में इमाम हुसैन के साथ शहीद हुए 72 जाँनिसारों की याद में निकाला जाता है।

—मजलिस को हुसैनी का खिताब, तिलावत से हुआ आगाज

मजलिस का आगाज आबिद अब्बास साहब की तिलावते-कलामे-पाक से हुआ। इसके बाद खतीब-ए-हुसैनियत हुज्जतुल इस्लाम मौलाना सैयद मोहम्मद हुसैनी (मुजफ़्फ़रनगर) ने मजलिस को खिताब करते हुए इमाम हुसैन और शहीदाने-कर्बला की अजीम कुबार्नी को बयान किया।

—जीशान आजमी ने बयान किए एक-एक शहीद के ताबूत

मजलिस की निजामत डॉ. शफीक हैदर ने की, जबकि निकाबत करते हुए जिशान आजमी ने कर्बला के 72 शहीदों का पुरदर्द तआरुफ पेश किया और एक-एक करके हर शहीद के ताबूत के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि किस तरह इमाम हुसैन ने अपने जिगर के टुकड़ों और वफादार साथियों को हक की राह में कुर्बान किया। 6 महीने के अली असगर, 18 साल के अली अकबर, 13 साल के कासिम, अलमदार हजरत अब्बास और औन व मोहम्मद समेत तमाम जाँनिसार शहीदों के ताबूत का ज़िक्र सुनकर हर आँख नम हो गई। इस मौके पर कावश बनारसी, अरम बनारसी, कौसैन सुल्तानपुरी, सलीम बिलग्रामी और अली मूसा ने पुरदर्द कलाम पेश किए, जबकि सोज-ख़्वानी लियाकत अली खान (छपरा) ने की।

नौहा-ख़्वानी अंजुमन जवादिया (पितरकुण्ड) की जानिब से की गई, जिस पर अजादारों ने जोरदार नौहा-ओ-मातम कर बारगाहे हुसैनी में अपनी अकीदत का इजहार किया। यह आयोजन अंजुमन आबिदिया (चौहट्टा लाल खान, बनारस) के जेरे-एहतिमाम और अंजुमन-हा-ए-मातमी बनारस की जानिब से अंजाम पाया। बड़ी तादाद में अजादाराने-हुसैनी और मोमिनीन ने इस मजलिस व जुलूस में शिरकत कर इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों को पुरसा पेश किया।

मुख्यमंत्री के प्रयागराज आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद, पुलिस आयुक्त ने की ब्रीफिंग

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के प्रस्तावित प्रयागराज आगमन के मद्देनजर रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित त्रिवेणी सभागार में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधिकारियों की महत्वपूर्ण ब्रीफिंग आयोजित की गई। पुलिस आयुक्त प्रयागराज जोगेंद्र कुमार ने अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी व्यवस्थाओं को सतर्कता एवं समन्वय के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए।

ब्रीफिंग के दौरान पुलिस आयुक्त ने वीवीआईपी सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ड्यूटी में तैनात सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी मुस्तैदी, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

बैठक में अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था अजय पाल शर्मा, अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय, पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत, पुलिस उपायुक्त नगर मनीष शांडिल्य, पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चंद्र यादव, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय पंकज, पुलिस उपायुक्त यातायात नीरज कुमार पांडेय सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करते हुए विभिन्न बिंदुओं पर आवश्यक तैयारियों का जायजा भी लिया।

सड़क की बदहाली पर प्रदर्शन

जिलाधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। विकास खंड के सिसई चौराहे पर लहटी-सिसई मार्ग की बदहाली को लेकर गरूण सेना परिवार के नेतृत्व में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। जिलाधिकारी के नाम से संबोधित ज्ञापन को सौंप कर 15 दिन के अंदर सड़क के मरम्मतीकरण का कार्य शुरू कराने की मांग की। चेतावनी कि यदि सड़क को गड्ढा मुक्त नहीं किया गया तो क्षेत्रीय लोग उग्र प्रदर्शन करेंगे। लहटी-सिसई मार्ग के मरम्मतीकरण को लेकर काफी दिनों से लोगों की मांग चली आ रही है मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं और बारिश के मौसम में सड़क पर पानी भर जाता है। इस मार्ग से हजारों लोग प्रतिदिन आते जाते हैं। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से लिखित शिकायत करने के बाद भी मार्ग को दुरुस्त नहीं कराया गया। जिससे रविवार को बहरिया विकास खंड के सिसई सिपाह चौराहे पर क्षेत्रीय संगठन गरूण सेना के नेतृत्व में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे गरुण सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष तिवारी किवा ने कहा कि 15 दिन के अंदर यदि मार्ग का मरम्मतीकरण कार्य शुरू नहीं कराया जाता है तो लोग उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने बाजार में पैदल मार्च किया और नायक तहसीलदार फूलपुर को जिला अधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन को सौंपा। प्रदर्शन करने में मुख्य रूप से डब्लू मिश्रा, शीतला प्रसाद मिश्रा, अमित ओझा, रत्नेश सारस्वत, सचिन कौशल, अंबुज मिश्रा, अरुण मौर्या, भजन शर्मा ,सोनू पांडेय, साजिद, विपुल मिश्र, मनोज पटेल ,आदि लोग रहे। इस मौके पर थाना प्रभारी मऊआइमा और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

छिनैती करने वाले दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चेन व 30 हजार रुपए बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त थरवई के कुशल नेतृत्व में थाना फाफामऊ पर पंजीकृत छिनैती से सम्बन्धित 2 वांछित अभियुक्त विकास कुमार उर्फ बाडे पुत्र छेदी लाल निवासी रंगपुरा थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज, राजेन्द्र पासी पुत्र स्व0 गोपाल पासी निवासी-8/6 कांशीराम कालोनी थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना फाफामऊ पुलिस टीम द्वारा रविवार को थाना फाफामऊ क्षेत्रान्तर्गत भदरी स्थित रेलवे क्रासिंग के पास से गिरफ्तार किया गया तथा उपरोक्त अभियुक्तों के कब्जे से छिनैती की 1 चेन पीली धातू (वजन करीब 04 ग्राम) व छिनैती के एक अन्य चेन के बेचने से प्राप्त 30,000/- रुपए बरामद किया गया ।

याद दिला दे कि 23 जून को मुकदमा वादी के पत्नी के मार्निंग वॉक पर जाते समय थाना फाफामऊ क्षेत्रांतर्गत गणेश गेस्ट हाउस के पास अज्ञात बदमाश द्वारा झपट्टा मारकर गले में पहने हुए सोने की चैन छीन लेने तथा दिनांक 28.06.2026 को मुकदमा वादिनि के सुबह टहलने के दौरान मास्क पहने अज्ञात बदमाश द्वारा गले में पहने हुए सोने की चैन छीन कर भाग जाने के संबंध में दी गयी तहरीर के आधार पर थाना फाफामऊ पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर घटना के अनावरण हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया था। उक्त गठित पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के आस-पास व आई0सी0सी0सी0 के लगे सी0सी0टी0वी0 कैमरों के अवलोकन तथा गवाहों के बयान से उपरोक्त मुकदमों की घटना उपरोक्त अभियुक्तों द्वारा कारित किए जाने की पुष्टि हुई ।

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम

थानाध्यक्ष शान्तनु सिंह, थाना फाफामऊ, उ0नि0 धर्मेन्द्र कुमार, चौकी प्रभारी शांतिपुरम, उ0नि0 विवेक कुमार सिंह, उ0नि0 आनन्द वर्मा, थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज ।

मिठाई लाल जायस की जयंती में आज जुटेंगे कवि, शायर और साहित्यकार

पुस्तक विमोचन के बाद पांच साहित्यकार सम्मानित किए जाएंगे

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मिठाई लाल जायस की जयंती समारोह का 6 जुलाई को आयोजित किया गया है। सोमवार को शाम साढ़े पांच बजे सिविल लाइंस टीबी सप्रू रोड स्थित होटल युगांतर में होने वाले समारोह में बड़ी संख्या में साहित्यकारों का जुटान होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व पुलिस महानिरीक्षक लालजी शुक्ला होंगे, जबकि अध्यक्षता प्रख्यात कवि यश मालवीय करेंगे। कार्यक्रम के संयोजक मंजू लता नागेश और संदीप कुमार जायस हैं। मंजू लता नागेश ने बताया कि इस अवसर पर मिठाई लाल जायस की किताब "भारत के गौरव, हमारे दलित पात्र" का विमोचन किया जाएगा। मुशायरा और कवि सम्मेलन के बाद समारोह में डॉ वीरेंद्र कुमार तिवारी (प्रयागराज), ऋतिका रश्मि (भागलपुर), शाश्वत श्रीवास्तव (प्रयागराज), सुनीता श्रीवास्तव (सुल्तानपुर), केशव प्रकाश सक्सेना (प्रयागराज) को मिठाई लाल जायस सम्मान से सम्मानित भी किया जाएगा।

कार पर ताबड़तोड़ फायरिंग और बमबाजी, बाल-बाल बचे तीन सगे भाई

घात लगाकर बैठे हमलावरों ने बरसाई गोलियां, बम फेंककर मचाई दहशत, अतीक के करीबी के रिश्तेदारों पर आरोप

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र में रविवार शाम पुरानी रंजिश के चलते कार सवार तीन सगे भाइयों पर ताबड़तोड़ फायरिंग और बमबाजी की गई। हमले में तीनों भाई बाल-बाल बच गए, जबकि उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़ित पक्ष ने पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। हमले का आरोप अतीक अहमद के करीबी रहे आबिद प्रधान के रिश्तेदारों पर लगाया गया है।

अहमदपुर असरौली निवासी मशरूर के अनुसार, वह रविवार शाम करीब साढ़े छह बजे अपने भाइयों सोनू और मसूद के साथ बमरौली उपरहार स्थित अमरूद की बाग में घूमने गए थे। आरोप है कि वहां पहले से घात लगाए बैठे आधा दर्जन से अधिक असलहाधारी हमलावरों ने उन्हें घेर लिया और जान से मारने की नीयत से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। मशरूर ने बताया कि तीनों भाई जान बचाने के लिए कार की ओर भागे, लेकिन हमलावरों ने कार को निशाना बनाते हुए गोलियां चलाईं और बम भी फेंके। हमले में कार क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि तीनों किसी तरह मौके से भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहे।

गोलीबारी और बमबाजी की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो चुके थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पूरामुफ्ती के प्रभारी निरीक्षक अविनाश सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

युवती ने फांसी लगाकर दी जान

प्रयागराज। सब्जी मंडी झोपड़ पट्टी निवासी एक युवती ने रविवार दोपहर फांसी लगाकर जान दे दी। युवती के आत्महत्या की वजह ज्ञात नहीं हो सकी।

रीवा जिले में गढ़ थानाक्षेत्र के हिनौती निवासी दिनेश साकेत पत्नी और बच्चों के साथ कर्नलगंज थानाक्षेत्र स्थित बक्शी बांध सब्जी मंडी के पास झोपड़ पट्टी में रहता है। उसकी 19 वर्षीय बेटी पूनम ने रविवार दोपहर करीब दो बजे फांसी लगा ली। उस वक्त वह झोपड़ी में अकेली थी। परिजनों को घटना की जानकारी हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। इंस्पेक्टर कर्नलगंज संजय सिंह ने बताया कि युवती ने आत्महत्या क्यों की, इस बारे में परिजन कुछ नहीं बता सके। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा में अभाविप के हेल्प डेस्क ने निभाई सेवा की भूमिका, विभिन्न जिलों से आए अभ्यर्थियों को मिला सहयोग

गोरखपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय इकाई द्वारा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा के अवसर पर स्थापित "मे आई हेल्प यू" हेल्प डेस्क का उद्घाटन अभाविप गोरखपुर महानगर के उपाध्यक्ष डॉ. दीपेंद्र मोहन सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करते हुए छात्रहित में किए जा रहे इस सेवा कार्य की सराहना की। उद्घाटन के उपरांत हेल्प डेस्क के माध्यम से विभिन्न जनपदों से प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने आए अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों को आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

विश्वविद्यालय परिसर सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर परिषद के कार्यकर्ता सुबह से ही सक्रिय रहे। उन्होंने दूर-दराज से आए विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्र एवं कक्ष की जानकारी, प्रवेश संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश, परीक्षा स्थल तक पहुँचने में सहयोग तथा अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई। कई अभ्यर्थियों और अभिभावकों ने परिषद के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे छात्रहित में अत्यंत उपयोगी पहल बताया।

अभाविप प्रांत सह मंत्री शुभम गोविंद राव ने कहा कि विद्यार्थी परिषद केवल छात्र समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करने वाला संगठन नहीं है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर सेवा और सहयोग के माध्यम से भी विद्यार्थियों का विश्वसनीय साथी बनकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करती है। विद्यार्थी परिषद ने प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित सभी अभ्यर्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देती है।

इस अवसर परगोरखपुर विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष विभांशु सिंह ने कहा कि "अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का मूल स्वभाव सेवा, संगठन और छात्रहित है। प्रवेश परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर विभिन्न जिलों से आने वाले विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसी उद्देश्य से हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई थी।

पंद्रह वर्षीय किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । नीमसराय में किराये के मकान में रहने वाली 15 वर्षीय एक किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दरवाजे की एंगल में फंदे से लटका उसका शव मिला। किशोरी ने आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इस बारे में परिजन और पुलिस कुछ नहीं बता सके। सूत्रों के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किशोरी की मौत फांसी से होने की पुष्टि हुई है।

मूल रूप से पूरामुफ्ती थानाक्षेत्र के मातपुर मनौरी निवासी दुल्लू पटेल ऑटो चालक है। वह पत्नी और बेटियों के साथ नीमसराय में किराये के मकान में रहता है। दुल्लू की चार बेटियों में बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। दूसरे नंबर की 15 वर्षीय कोमल ने शनिवार शाम घर में फांसी लगा ली। घटना के समय कोमल घर में अकेली थी। पिता काम पर और मां ननकी देवी गांव गई थीं, जबकि छोटी बहनें कोचिंग पढ़ने गई थीं। करीब सात बजे बहनें घर लौटीं तो उन्हें घटना की जानकारी हुई। उन्होंने माता-पिता को जानकारी दी तो वह घर पहुंचे। दुल्लू के भाई ने बताया कि दूसरी बिरादरी की महिला से शादी करने के कारण परिवार उससे मतलब नहीं रखता था। पता चला है कि दुल्लू ने एक युवक से कोमल की शादी तय कर दी थी। छोटी बहनों ने बताया कि शनिवार की शाम करीब पांच बजे वह युवक कोमल से मिलने घर आया था। इसके बाद वह कोचिंग चली गई थीं। कोचिंग से लौटते समय उन्होंने युवक को रास्ते में जाते देखा था। शायद वह दोबारा कोमल के पास आया था। इंस्पेक्टर धूमनगंज धनंजय पांडेय ने बताया कि मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है और न ही छात्रा का सुसाइड नोट मिला है। तहरीर मिलने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट देखने के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फोटोग्राफर का फंदे से लटका मिला शव

प्रयागराज । कृष्णा नगर में रविवार को एक फोटोग्राफर का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। परिजनों ने कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर खिड़की से झांका तो घटना की जानकारी हुई। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका।

कीडगंज थानाक्षेत्र के कृष्णा नगर निवासी 36 वर्षीय अविनाश यादव पुत्र स्वर्गीय राकेश कुमार यादव संगम क्षेत्र में फोटोग्राफी का काम करते थे। परिवार के मुताबिक शनिवार रात वह खाना खाकर अपने कमरे में सोने चले गए थे। रविवार सुबह काफी देर तक कमरा नहीं खुला। आवाज देने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। इस पर भतीजे ईशू ने खिड़की से अंदर देखा तो अविनाश का शव गमछे के सहारे पंखे से लटका था। बड़े भाई अनूप यादव ने बताया कि अविनाश दो भाई में छोटा और अविवाहित था। माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है। अनूप के मुताबिक अविनाश ने जान क्यों दी, यह समझ में नहीं आ रहा।

सेवा और संस्कार ही यती जी की सबसे बड़ी विरासत है : नीतू सिंह

कानपुर। यती भइया का संपूर्ण जीवन सेवा, शिक्षा, संस्कार और सामाजिक समर्पण का प्रेरक उदाहरण रहा है। उनके आदर्शों को समाज तक पहुंचाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है। यह बातें रविवार को यती संकल्प संस्थान की संरक्षक सीए नीतू सिंह ने कीर्तिशेष यतीन्द्र जीत सिंह "यती भइया" की जयंती पर आयोजित सेवा एवं समर्पण कार्यक्रमों के दौरान कहीं।

यती संकल्प संस्थान, बीएनएसडी विद्यालय और रोटरी क्लब ऑफ कानपुर 'अतुल्य' के संयुक्त तत्वावधान में पूरे दिन सेवा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों की शुरूआत वीएसएसडी कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) नीरू टंडन के नेतृत्व में अटल घाट पर स्वच्छता अभियान से हुई। शिक्षकों, विद्यार्थियों और रोटरी सदस्यों ने घाट की सफाई कर स्वच्छ एवं निर्मल गंगा का संदेश दिया

इसके बाद नारायणी देवी गौशाला में गौमाताओं को गुड़ और चना खिलाकर गौ-सेवा की गई। यती संकल्प संस्थान की ओर से हैलट अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों को फल वितरित किए गए। बीएनएसडी शिक्षा निकेतन में संचालित बैरिस्टर नरेंद्रजीत सिंह बाल संस्कार केंद्र एवं मां सुशीला नरेंद्रजीत सिंह सिलाई केंद्र में आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को पाठ्य सामग्री वितरित कर शिक्षा सहयोग का संदेश दिया गया

सायंकाल अटल घाट पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में वीएसएसडी कॉलेज के कल्चरल क्लब के विद्यार्थियों ने जल संरक्षण पर आधारित नुक्कड़ नाटक "कोई प्यासा न रहे" प्रस्तुत किया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां गंगा में 5100 मछलियों का प्रवर्तन किया गया और पर्यावरण संरक्षण तथा जल संवर्धन का सामूहिक संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायक प्रदीप श्रीवास्तव ने भजन संध्या प्रस्तुत की। इसके बाद मां गंगा की भव्य महाआरती हुई।

इस अवसर पर यती भइया की नवविवाहित पुत्री वसुंधरा अपने पति यश के साथ उपस्थित रहीं और पिता की स्मृति को नमन किया।

डॉ. तीजन बाई ने अपनी अद्भुत साधना से पंडवानी लोककला को विश्व स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई : डॉ प्रदीप शर्मा

मुरादाबाद। पद्म विभूषण से सम्मानित सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई के आकस्मिक निधन की सूचना पर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा महानगर मुरादाबाद के द्वारा शोकसभा आयोजित की गई।

वरिष्ठ रंग कर्मी डॉ प्रदीप शर्मा ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने अपनी अद्भुत साधना, विलक्षण प्रतिभा और ओजपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से पंडवानी लोककला को न केवल पूरे भारत में, बल्कि विश्व स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई।

शिक्षक नेता विमलेंद्र शर्मा 'विमल' ने बताया कि डॉ. तीजन बाई का आज प्रातःकाल लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे लगभग 70 वर्ष की थीं। उनका गायन महाभारत के पांडवों के जीवन प्रसंगों पर आधारित होता था। प्रस्तुति के दौरान उनके हाथ में रहने वाला तंबूरा कभी तलवार, कभी गदा और कभी धनुष का रूप धारण कर लेता था।

छिनैती में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से मोबाइल व 730 नकद बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। कैण्ट पुलिस टीम द्वारा छिनैती से सम्बन्धित एक अभियुक्त सूरज चौरसिया निवासी गौतमबुद्ध द्वार सुलेम सराय थाना धूमनगंज जनपद प्रयागराज को काली पल्टन ढाल के पास ताडबाग जाने वाले रास्ता थाना क्षेत्र कैण्ट से गिरफ्तार किया गया तथा उसके कब्जे से 730 रुपये नकद बरामद किये गये।

उल्लेखनीय है कि शिखा रस्तोगी पुत्री स्व0 अनिल रस्तोगी निवासी लक्क्ष्134 प्रीतमनगर धाना धूमनगंज प्रयागराज द्वारा सूचना दी गयी कि 4 जुलाई को अज्ञात व्यक्ति उनका पर्स छीनकर भाग गए।

तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

होलागढ़ पुलिस ने वांछित अभियुक्त गिरफ्तार किया

प्रयागराज। होलागढ़ पुलिस ने वांछित अभियुक्त विनोद कुमार निवासी ग्राम चन्देलन का पुरा पूरबनारा थाना होलागढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज को होलागढ़ पुलिस ने पूरब नारा स्थित दहियावा अण्डरपास के पास से घटना में प्रयुक्त कैंची के साथ गिरफ्तार किया है।उल्लेखनीय है कि मुकदमा वादी की बहन को पति द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हुए जान से मारने की नियत से कैंची से हमला कर मार-पीट की गयी थी, जिसमें उसकी बहन को गम्भीर चोटें आयी थी। तहरीर के आधार पर थाना होलागढ़ में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेज दिया।

संपादकीय

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

डिजिटल प्राइवेसी की नई परत, लेकिन भीतर छिपे बड़े खतरे

प्रो. आरके जैन अरिजीत

मोबाइल नंबर अब तक डिजिटल पहचान का सबसे भरोसेमंद आधार रहा है, लेकिन अब उसकी जगह यूजरनेम लेने की तैयारी है। बदलाव जितना आधुनिक दिखता है, जोखिम भी उतने ही बड़े हैं। व्हाट्सऐप यूजरनेम सुविधा ला रहा है, जिससे उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर छिपाकर यूजरनेम के माध्यम से नए संपर्कों से बातचीत कर सकेंगे। दावा है कि इससे निजता मजबूत होगी, लेकिन भारत सरकार ने इसके संभावित खतरों को समय रहते भांप लिया। मेटा को नोटिस भेजकर इस फीचर के भारत में रोलआउट पर अस्थायी रोक लगाना महज तकनीकी कदम नहीं, बल्कि भारत के 50 करोड़ से अधिक व्हाट्सएप यूजर्स की डिजिटल सुरक्षा का सवाल है। जिस देश में रोज हजारों साइबर ठगी होती हों, वहां पहचान को नंबर से हटाकर केवल यूजरनेम के भरोसे छोड़ना क्या अपराधियों को नया हथियार नहीं देगा? आखिर डिजिटल दुनिया में प्राथमिकता सुविधा को मिले या सुरक्षा को?

पहली नजर में मेटा का यह प्रस्ताव बेहद आकर्षक लगता है। इसके तहत हर उपयोगकर्ता 3 से 35 कैरेक्टर्स (अक्षर, संख्या, पीरियड और अंडरस्कोर) वाला यूनिक यूजरनेम चुन सकेगा। इसके बाद बातचीत के लिए मोबाइल नंबर साझा करने की जरूरत नहीं होगी। नंबर केवल अकाउंट वेरिफिकेशन तक सीमित रहेगा, जबकि चैट में उसकी जगह यूजरनेम दिखाई देगा। कंपनी का दावा है कि यूजरनेम की जैसी अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था अनचाहे संदेशों और संदिग्ध संपर्कों पर प्रभावी नियंत्रण रखेगी। कागज पर यह व्यवस्था निजता को मजबूत करती दिखाई देती है, लेकिन तकनीक का इतिहास बताता है कि हर नई सुविधा अपने साथ नए जोखिम भी लाती है। इसलिए असली सवाल यह नहीं कि यह फीचर कितना आकर्षक है, बल्कि यह है कि इसकी सुरक्षा कितनी अभेद्य और भरोसेमंद है।

भारत की चिंता वाजिब है। यहां साइबर अपराध पहले ही महामारी बन चुके हैं। डिजिटल अरेस्ट, फर्जी बैंक अलर्ट, निवेश घोटाले, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया इमपर्सनेशन और भावनात्मक ठगी लाखों लोगों को शिकार बना चुके हैं। ऐसे में यदि कोई ठग किसी अधिकारी, पत्रकार, उद्योगपति, लोकप्रिय हस्ती या आम नागरिक के नाम जैसा यूजरनेम पहले ही ले ले (यूजरनेम स्क्वाटिंग), तो छद्मवेश (इमपर्सनेशन) और पहचान की चोरी आसान हो जाएगी। इसके जरिए फर्जी प्रोफाइल बनाकर पैसे ऐंठना, संवेदनशील जानकारी हासिल करना,

अफवाह फैलाना और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना आसान होगा। तब यह केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि जनविश्वास, कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा का संकट बन जाएगा। इसलिए सरकार की आशंका कल्पना नहीं, डिजिटल हकीकत है।

इन्हीं आशंकाओं के बीच केंद्र सरकार ने मेटा से तीन दिनों में विस्तृत जवाब मांगा है। कंपनी को फीचर का डिजाइन, प्राइवेसी प्रोटोकॉल, सुरक्षा तंत्र, पहचान सत्यापन और दुरुपयोग रोकने के उपाय स्पष्ट करने होंगे। साथ ही समीक्षा पूरी होने तक भारत में इसका रोलआउट रोकने को कहा गया है। यह फैसला तकनीकी प्रगति का विरोध नहीं, बल्कि जिम्मेदार डिजिटल शासन का संकेत है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, साइबर सुरक्षा नीतियों और डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून के तहत विदेशी डिजिटल प्लेटफॉर्मों का भारतीय कानूनों और सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है। डिजिटल भारत में किसी वैश्विक कंपनी की सुविधा से अधिक महत्वपूर्ण नागरिकों की सुरक्षा है।

फिर भी इस प्रस्ताव के सकारात्मक पक्षों को नकारा नहीं जा सकता। आज सेवाओं, व्यापार, फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन शिक्षा, कंटेंट क्रिएशन और व्यावसायिक संपर्क के लिए मोबाइल नंबर साझा करना लगभग अनिवार्य हो गया है। इसका नतीजा अनचाहे कॉल, स्पैम संदेश, डेटा लीक और निजी जानकारी के दुरुपयोग के रूप में सामने आता है।

यदि नए संपर्कों से केवल यूजरनेम से संवाद हो, तो मोबाइल नंबर काफी हद तक छिपा रह सकता है। इसलिए अनेक उपयोगकर्ता इस सुविधा का स्वागत कर रहे हैं, क्योंकि इससे गोपनीयता मजबूत होगी और डिजिटल ट्रैकिंग घटेगी। लेकिन अच्छी मंशा सुरक्षा की गारंटी नहीं होती; मजबूत सुरक्षा के बिना सबसे उपयोगी तकनीक भी सबसे खतरनाक दरवाजा बन सकती है।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की सबसे बड़ी चिंता यही है। उनके अनुसार यह फीचर यूजरनेम स्क्वाटिंग, फर्जी खातों और सोशल इंजीनियरिंग हमलों को बढ़ावा दे सकता है। भारत जैसे देश में, जहां भाषाई विविधता, अलग-अलग लिपियां, समान नामों की भरमार और ग्रामीण-शहरी डिजिटल अंतर है, वहां पहचान का सत्यापन अधिक जटिल है। यदि मेटा ने भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप पर्याप्त स्थानीय परीक्षण नहीं किए, तो जोखिम कई गुना बढ़ सकते हैं। केवल एल्गोरिद्म पर्याप्त नहीं; स्थानीय भाषाओं की समझ, प्रभावी शिकायत निवारण, त्वरित सत्यापन और संदिग्ध खातों पर फौरन कार्रवाई भी अनिवार्य होगी।

दरअसल, यह विवाद केवल व्हाट्सएप के एक फीचर का नहीं, बल्कि वैश्विक टेक कंपनियों और राष्ट्र-राज्यों के बीच बढ़ते उस संघर्ष का है, जिसमें सवाल है कि डिजिटल दुनिया के नियम कौन तय करेगा। मेटा जैसे वैश्विक प्लेटफॉर्म हर देश की सामाजिक, कानूनी और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। भारत पहले ही डेटा लोकलाइजेशन, इंटरमीडियरी गाइडलाइंस और डिजिटल डेटा संरक्षण जैसे मुद्दों पर स्पष्ट कर चुका है कि विदेशी कंपनियों को यहां केवल कारोबार नहीं, बल्कि भारतीय कानूनों और राष्ट्रीय हितों का भी सम्मान करना होगा। व्हाट्सएप का यह मामला उसी सोच की अगली कड़ी है, जहां डिजिटल संप्रभुता नारा नहीं, राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुकी है।

असल चुनौती यूजरनेम नहीं, उस पर कायम होने वाला विश्वास है। जिस डिजिटल पहचान की विश्वसनीयता संदिग्ध हो, उसकी प्राइवेसी भी अर्थहीन हो जाती है। मेटा को अपने सुरक्षा मानकों, पहचान सत्यापन प्रणाली और दुरुपयोग रोकने की रणनीति पूरी पारदर्शिता से सार्वजनिक करनी चाहिए। वहीं, उपयोगकताओं को भी ऐसे यूजरनेम चुनने से बचना होगा जो आसानी से अनुमानित हों या अन्य प्लेटफॉर्मों पर पहले से इस्तेमाल हो रहे हों, और किसी भी संदिग्ध प्रोफाइल या संदेश पर बिना पुष्टि भरोसा नहीं करना चाहिए। सरकार का यह समयोचित हस्तक्षेप स्पष्ट करता है कि डिजिटल भारत में नवाचार का स्वागत होगा, लेकिन नागरिकों की सुरक्षा की कीमत पर नहीं। क्योंकि यदि पहचान की सुरक्षा कमजोर पड़ी, तो आने वाले समय में मोबाइल नंबर नहीं, नाम ही सबसे बड़ी चोरी बन जाएगा।

योगी की सच से झूठ अलग करने की कोशिश

संजय सक्सेना

अयोध्या के रामलला मंदिर में चढ़ावे और दान की राशि में कथित गड़बड़ी का मामला अब केवल आस्था और आपराधिक जांच का विषय नहीं रह गया, बल्कि यह अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले सबसे बड़े राजनीतिक हथियार के रूप में उभरता दिख जरूर रहा है, लेकिन ऐसा हो पायेगा, यह समय बतायेगा। 07 जून को समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस मामले को सार्वजनिक करते हुए योगी सरकार पर सीधा हमला बोला था। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा था कि अयोध्या में मंदिर के चढ़ावे को लेकर जो जानकारी सामने आई है, वह गंभीर चिंता का विषय है। इसके साथ ही यह मामला राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया और सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तेजी दिखाते हुए 13 जून को राम मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश पर तीन सदस्यों वाली एसआईटी का गठन कर दिया। जांच टीम ने मंदिर परिसर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज, बैंक रिकॉर्ड और दान गिनने वाले कर्मचारियों से पूछताछ शुरू की। शुरूआती जांच में ही चौंकाने वाले खुलासे सामने आए। करीब 2 करोड़ रुपये नकद, एक कार और तीन आईफोन बरामद होने का दावा किया गया, जबकि कुछ कर्मचारियों से पूछताछ जारी रही। बाद में एसआईटी की 20 पन्नों की रिपोर्ट में और भी गंभीर तथ्य सामने आए। रिपोर्ट के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज में चढ़ावा चोरी की 70 घटनाएं दर्ज हुईं और यह कथित रैकेट पिछले दो से तीन वर्षों से सक्रिय था। जांच में यह भी सामने आया कि मुख्य आरोपी टिन्नू यादव के पास बिना किसी आदेश के हुंडियों की चाबियां मौजूद थीं, और पूछताछ में कुछ सरकारी बैंक कर्मचारियों की संलिप्तता के संकेत भी मिले।

रिपोर्ट आने के बाद योगी सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 26 जून को मामले में एफआईआर दर्ज कर आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस घटनाक्रम के दबाव में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री योगी ने इस पूरे प्रकरण पर सख्त लहजे में कहा, एसआईटी रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई। हम सच्चाई और झूठ को अलग-अलग कर देंगे। सनातन धर्म के विश्वास के साथ छेड़छाड़ करने वालों को परिणाम भुगतना पड़ेगा। किसी को भी छूट नहीं दी जाएगी। कई सार्वजनिक मंचों से उन्होंने बार-बार यही संदेश दोहराया कि एसआईटी की रिपोर्ट आते ही कार्रवाई शुरू हो गई है और जन आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, दूध का दूध और पानी का पानी होगा। लेकिन सियासी पिच पर यह मामला अब सिर्फ प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा। अखिलेश यादव के आरोपों के बाद योगी और भाजपा ने भी पलटवार में देर नहीं की। सीएम योगी ने याद दिलाया कि सपा सरकार के दौरान ही थानों और जेलों में जन्माष्टमी मनाने पर रोक लगाई गई थी और कांवड़ यात्रा प्रतिबंधित थी। साथ ही कारसेवकों पर गोली चलाने के अतीत को दोहराकर बीजेपी ने सपा को बैकफुट पर धकेलने की कोशिश की। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, यह त्वरित और कठोर कार्रवाई अखिलेश के उस आरोप की धार कुंद करने की रणनीति है कि सरकार भ्रष्टाचार को संरक्षण दे रही है। देवरिया की एक सभा में सीएम योगी ने और तीखा रुख अपनाते हुए कहा, अयोध्या पर आक्षेप मत करो, प्रभु श्रीराम की मयार्दा का पालन करना सीखो।

इस पूरे विवाद में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और असदुद्दीन ओवैसी सहित लगभग सभी विपक्षी दल सक्रिय हो गए हैं। आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह ने भी योगी सरकार को घेरते हुए कहा था कि राम मंदिर जैसे आस्था के केंद्र में दान राशि की कथित चोरी बेहद गंभीर मामला है और इसकी निष्पक्ष व पारदर्शी जांच होनी चाहिए, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दिल्ली से अरविंद केजरीवाल भी अयोध्या पहुंचे, जिस पर सीएम योगी ने तीखा तंज कसते हुए भाजपा की डबल इंजन सरकार की तुलना आम आदमी पार्टी शासन से कर डाली। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस मुद्दे पर हर दल की रणनीति अलग-अलग समीकरणों से जुड़ी है। सपा के लिए यह मामला सॉफ्ट हिन्दुत्व की छवि गढ़ने का मौका है, ताकि हिन्दू मतदाताओं के एक हिस्से को यह संदेश दिया जा सके कि पार्टी आस्था के मुद्दों पर उदासीन नहीं है। लेकिन इसका एक जोखिम भरा पहलू भी है कि अगर यह रणनीति ज्यादा आक्रामक हुई, तो पार्टी के परंपरागत मुस्लिम वोट बैंक में भ्रम की स्थिति बन सकती है, खासकर तब, जब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी भी उत्तर प्रदेश के मुस्लिम मतदाताओं में अपनी पैठ बढ़ाने की कोशिश में जुटी है।

इथेनॉल का महाबुलबुला: टैक्सपेयर के पैसे पर खड़ा औद्योगिक ढांचा

के. पी. मलिक

भारत में इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को सरकार ने जोर-शोर से ऊर्जा सुरक्षा, किसानों की आय बढ़ाने, कच्चे तेल के आयात में कमी और पर्यावरण संरक्षण के बहुआयामी समाधान के रूप में प्रस्तुत किया है। पहली नजर में यह नीति आकर्षक लगती है। लेकिन जब इसके पीछे के निवेश, उत्पादन क्षमता, सरकारी ऋण, ब्लेंडिंग लक्ष्य, कंपनियों की बैलेंस शीट और शेयर बाजार की गतिविधियों को एक साथ परखा जाता है, तो एक असहज सवाल खड़ा होता है कि क्या भारत में इथेनॉल नीति ऊर्जा सुरक्षा का कार्यक्रम है, या टैक्सपेयर के पैसों पर खड़ा किया गया एक ऐसा औद्योगिक ढांचा, जिसे अब कृत्रिम माँग पैदा करके बचाया जा रहा है?

सबसे बड़ा प्रश्न उत्पादन क्षमता का है। भारत ने करीब 20झ21 अरब लीटर वार्षिक इथेनॉल उत्पादन क्षमता तैयार कर ली है, जबकि वर्तमान और निकट भविष्य की वास्तविक घरेलू आवश्यकता सिर्फ. 10झ12 अरब लीटर के आसपास मानी जाती है। यदि यह आकलन सही है, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि अतिरिक्त क्षमता किस आधार पर बनाई गई? क्या बाजार की वास्तविक माँग के आधार पर, या फिर सरकारी प्रोत्साहन, सस्ती वित्तीय सहायता और भविष्य के अत्यधिक आशावादी अनुमानों के आधार पर?

दरअसल, यहाँ कहानी का दूसरा पक्ष शुरू होता है। इथेनॉल संयंत्रों की स्थापना के लिए हजारों करोड़ रुपये के सब्सिडी वाले ऋण, ब्याज सहायता और सरकारी गारंटी उपलब्ध कराई गई। इन योजनाओं का उद्देश्य उत्पादन बढ़ाना था, लेकिन यदि उत्पादन क्षमता माँग से बहुत आगे निकल जाए, तो वही क्षमता उद्योग पर बोझ बन जाती है। तब सरकार के सामने दो ही विकल्प बचते हैं—या तो अतिरिक्त क्षमता को निष्क्रिय रहने दिया जाए, या फिर उसकी खपत सुनिश्चित करने के लिए नए-नए ब्लेंडिंग लक्ष्य तय किए जाएँ। ए20 के बाद ए22, ए27, ए30 और यहाँ तक कि ए85 जैसे लक्ष्यों की चर्चा इसी संदर्भ में देखी जा सकती है।

सवाल यह नहीं कि उच्च मिश्रण तकनीकी रूप से संभव है या नहीं; सवाल यह है कि क्या इन लक्ष्यों का निर्धारण वैज्ञानिक आवश्यकता से हो रहा है, या पहले से किए गए निवेश को बचाने के लिए?

पूरे विवाद का सबसे दिलचस्प पहलू कंपनियों की बैलेंस शीट है। सामान्य धारणा यह रही कि बड़ी चीनी और इथेनॉल कंपनियाँ इस नीति की सबसे बड़ी लाभार्थी हैं। लेकिन यदि वास्तव में कई प्रमुख कंपनियों के इथेनॉल कारोबार का परिचालन लाभ दबाव में है, तो फिर वास्तविक आर्थिक लाभ कहाँ गया? यदि फैक्ट्री का मुनाफा नहीं बढ़ा, लेकिन कुछ कंपनियों के शेयर तेजी से चढ़े, तो इसका अर्थ यह भी हो सकता है कि बाजार भविष्य की सरकारी नीतियों पर दाँव लगा रहा है। ऐसे में मूल्य-सृजन उत्पादन से कम और नीतिगत अपेक्षाओं से अधिक होने लगता है। यहीं ह्लप्रेफरेंशियल शेयरह्व और पूँजी जुटाने का सवाल महत्वपूर्ण हो जाता है। यदि किसी कंपनी का वास्तविक परिचालन लाभ सीमित हो, लेकिन भविष्य में सरकारी संरक्षण और अनिवार्य माँग की उम्मीद के आधार पर उसका बाजार मूल्य बढ़ जाए, तो वह ऊँचे मूल्यांकन पर नई पूँजी जुटा सकती है। इस स्थिति में धन का स्रोत उत्पादन क्षमता नहीं, बल्कि भविष्य की सरकारी नीति में निवेशकों का विश्वास बन जाता है। यह पूँजी बाजार का स्वाभाविक व्यवहार हो सकता है, लेकिन जब उसका आधार सरकारी निर्णय हों, तब नीति और बाजार के रिश्ते की निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

दरअसल, 10 जून को जारी किसी सरकारी अधिसूचना के बाद यदि संबंधित कंपनियों के शेयरों में असामान्य तेजी या अपर सर्किट देखने को मिला हो, तो इसकी स्वतंत्र जाँच और विश्लेषण आवश्यक है। केवल शेयर का बढ़ना अनियमितता का प्रमाण नहीं होता, लेकिन यदि नीति-निर्णय और बाजार की गतिविधियों के बीच असामान्य सामंजस्य दिखाई दे, तो नियामक संस्थाओं का दायित्व बनता है कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार की अंदरूनी जानकारी या अनुचित लाभ का उपयोग न हुआ हो।

इस पूरी नीति का सबसे संवेदनशील पक्ष किसान हैं। सरकार बार-बार कहती है कि इथेनॉल कार्यक्रम किसानों की आय बढ़ाएगा। लेकिन यदि चीनी मिलों पर हजारों करोड़ रुपये का भुगतान बकाया रहे, गन्ना किसानों को समय पर भुगतान न मिले, और दूसरी ओर नई उत्पादन क्षमता लगातार बढ़ती जाए, तो यह दावा अधूरा प्रतीत होता है। यदि उद्योग की वित्तीय संरचना ही दबाव में हो, तो अंततः उसका सबसे बड़ा भार किसान और करदाता—दोनों उठाते हैं।

करदाता का सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस पूरी व्यवस्था में जोखिम का बड़ा हिस्सा सार्वजनिक धन पर आधारित है। यदि उद्योग सफल होता है, तो निजी निवेशकों को लाभ मिलता है, लेकिन यदि क्षमता अनुपयोगी रह जाए या ऋण फँस जाएँ, तो उसका भार अंततः बैंकिंग व्यवस्था और सरकारी वित्त पर पड़ सकता है। यह वही स्थिति है, जिसे अर्थशास्त्र में ह्लाभ का निजीकरण और जोखिम का सामाजीकरणह्व कहा जाता है।

यह भी सच है कि इथेनॉल कार्यक्रम के कई सकारात्मक पक्ष हैं। इससे कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घट सकती है, प्रदूषण में कुछ कमी आ सकती है और कृषि-आधारित उद्योगों को नया बाजार मिल सकता है। इसलिए पूरी नीति को खारिज कर देना भी उचित नहीं होगा। लेकिन किसी भी सार्वजनिक नीति की सफलता केवल उसके घोषित उद्देश्यों से नहीं, बल्कि उसकी आर्थिक पारदर्शिता, लागत-लाभ विश्लेषण और जवाबदेही से तय होती है।

आज आवश्यकता यह है कि सरकार स्पष्ट रूप से बताए कि भारत की वास्तविक इथेनॉल आवश्यकता कितनी है, अतिरिक्त क्षमता का आर्थिक औचित्य क्या है, सार्वजनिक धन से दिए गए ऋणों की वर्तमान स्थिति क्या है, किसानों के बकाये कब तक चुकेंगे, और भविष्य के ब्लेंडिंग लक्ष्य स्वतंत्र वैज्ञानिक एवं आर्थिक अध्ययन पर आधारित हैं, या पहले से किए गए निवेश को बचाने की रणनीति हैं।

ऊर्जा सुरक्षा के नाम पर बनाई गई कोई भी नीति तब तक विश्वसनीय नहीं मानी जा सकती, जब तक उसके हर आँकड़े, हर निवेश और हर लाभार्थी की पूरी तस्वीर जनता के सामने न रखी जाए। क्योंकि लोकतंत्र में सबसे बड़ा निवेशक उद्योगपति नहीं, बल्कि वह करदाता है, जिसके पैसे से पूरी व्यवस्था खड़ी होती है।

पहली गलती पर सुधार, धोखाधड़ी पर सख्ती

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत तेजी से विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बना रहा है। वैश्विक निवेश आकर्षित करने,घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्धी बनाने,सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रोत्साहन देने तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत करने के लिए सरकार लगातार नियामकीय सुधार कर रही है।आधुनिक अर्थव्यवस्था में केवल कठोर कानून पर्याप्त नहीं होते, बल्कि ऐसे कानून आवश्यक होते हैं जो ईमानदार कारोबारियों को अनजाने में हुई प्रक्रियात्मक त्रुटियों को सुधारने का अवसर दें और साथ ही जानबूझकर उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी करने वालों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें।इसी सोच के अनुरूप जनविश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम, 2026 के माध्यम से विधिक मापविज्ञान अधिनियम, 2009 के अंतर्गत सुधार नोटिस व्यवस्था लागू की गई है।यह सुधारभारतीय नियामकीय व्यवस्था में दंडात्मक मानसिकता से विश्वास- आधारित अनुपालन की ओर बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विधिक मापविज्ञान किसी भी आधुनिक अर्थव्यवस्था की आधारशिला है।जब कोई उपभोक्ता एक किलो चीनी,एक लीटर दूध,पांच सौ ग्राम मसाला, एक पैकेट दवा या किसी इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद को खरीदता है,तब वह इस विश्वास के साथ खरीदारी करता है कि पैकेट पर अंकित मात्रा, वजन, माप,मूल्य तथा अन्य जानकारी सही है। यही विश्वास बाजार व्यवस्था की आत्मा है।यदि वजन,माप और पैकेजिंग में पारदर्शिता समाप्त हो जाए तो उपभोक्ता संरक्षण,निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा तथा व्यापारिक विश्वसनीयता तीनों प्रभावित होते हैं। इसलिए दुनियाँ के लगभग सभी विकसित देशों में लीगल मेट्रोलॉजी से जुड़े कठोर मानक लागू हैं। भारत भी इसी वैश्विक व्यवस्था का सटीक हिस्सा है।साथियों, अब तक की व्यवस्था में कई बार ऐसा होता था कि कोई व्यापारी,निमार्ता,पैकर या आयातक केवल किसी प्रक्रियात्मक या दस्तावेजी त्रुटि के कारण भी दंडात्मक कार्रवाई का सामना करता था। कई मामलों में गलती धोखाधड़ी नहीं बल्कि तकनीकी अथवा प्रशासनिक चूक होती थी। इससे छोटे व्यापारियों तथा एमएसएमई इकाइयों पर अनावश्यक आर्थिक और कानूनी बोझ पड़ता था। सरकार ने महसूस किया किजानबूझकर किए गए अपराध और पहली बार हुई प्रक्रियात्मक गलती में अंतर होना चाहिए। इसी सोच के तहत पहले सुधारो, फिर कार्रवाई की नीति अपनाई गई है।नई व्यवस्था के अनुसार यदि कोई विनियमित संस्था पहली बार प्रक्रियात्मक या नियामकीय नियमों का उल्लंघन करती है, तो संबंधित विधिक मापविज्ञान अधिकारी सीधे जुमार्ना या अभियोजन शुरू करने के बजाय सुधार नोटिस जारी करेगा। इस नोटिस में स्पष्ट रूप से बताया जाएगा कि कौन-सी कमी पाई गई है, उसे किस प्रकार दूर करना है तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर अनुपालन करना होगा। यदि संबंधित संस्था समय पर त्रुटि सुधार देती है तो अनावश्यक मुकदमेबाजी तथा दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सकेगा। इससे प्रशासनिक संसाधनों की भी बचत होगी और उद्योग जगत में विश्वास का वातावरण बनेगा।

साथियों, यह सुधार विशेष रूप से निमार्ताओं,आयातकों पैकिंग करने वालों, डीलरों, मरम्मत कताओं, व्यापारियों, वितरकों तथा सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए महत्वपूर्ण है। अक्सर छोटे व्यवसायों के पास बड़े उद्योगों जैसी कानूनी विशेषज्ञता उपलब्ध नहीं होती। ऐसे में दस्तावेजी या पंजीकरण संबंधी त्रुटियां अनजाने में हो सकती हैं। नई व्यवस्था ईमानदार व्यवसायों को बिना भय के नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित करेगी।सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यह राहत केवल पहली बार होने वाली प्रक्रियात्मक अथवा नियामकीय त्रुटियों तक सीमित रहेगी। यदि सुधार नोटिस के बावजूद निर्धारित समय में अनुपालन नहीं किया जाता अथवा भविष्य में वही उल्लंघन दोहराया जाता है,तो संबंधित संस्था के विरुद्ध विधिक मापविज्ञान अधिनियम के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। नई व्यवस्था में बार- बार नियम तोड़ने वालों के लिए दंड और अधिक कठोर बनाया गया है। दूसरी बार उल्लंघन पर लगभग आठ गुना तक तथा तीसरी बार बार-बार नियम तोड़ने पर बीस गुना तक जुमार्ने का प्रावधान किया गया है।

इससे स्पष्ट संदेश जाता है कि सरकार ईमानदार व्यापार को प्रोत्साहित करेगी, लेकिन जानबूझकर नियमों की अवहेलना करने वालों को किसी प्रकार की सटीकता से राहत नहीं मिलेगी।

विधानसभा का उपयोग जनता की सेवा और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने के लिए करें विधायक : सतीश महाना

लखनऊ/कोलकाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि नवनिर्वाचित विधायकों को विधानसभा का उपयोग केवल चर्चा के मंच के रूप में नहीं, बल्कि जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने तथा अपने सार्वजनिक जीवन की विश्वसनीयता और जनस्वीकार्यता को बढ़ाने के सशक्त माध्यम के रूप में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि जितना अधिक जनता का विश्वास अर्जित करेगा, उतनी ही सहजता और प्रभावशीलता से वह अपने क्षेत्र तथा प्रदेश के विकास के लिए कार्य कर सकेगा।

महाना पश्चिम बंगाल विधानसभा में लोकसभा सचिवालय के संसदीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (ढफक्रऊए) तथा पश्चिम बंगाल विधानसभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नवनिर्वाचित विधानसभा सदस्यों के दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक विधायक का दायित्व है कि वह संविधान की मूल भावना और लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप कार्य करे। संविधान केवल अधिकारों का दस्तावेज नहीं, बल्कि कर्तव्यों के निर्वहन की भी प्रेरणा देता है। जनप्रतिनिधियों को अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों का भी समुचित ज्ञान होना चाहिए।

विधानसभा समितियों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए महाना ने कहा कि सदन की विभिन्न समितियां जनहित के अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीरतापूर्वक कार्य करती हैं। यदि विधायक इन समितियों का प्रभावी उपयोग करें तो जनता की समस्याओं का समाधान अधिक परिणामकारी ढंग से किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि सदन में सक्रिय, सकारात्मक और सार्थक सहभागिता ही किसी विधायक की वास्तविक पहचान बनाती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था की व्याख्या करते हुए महाना ने कहा कि संवैधानिक व्यवस्था एक कुर्सी के चार पायों के समान है। यदि इनमें से एक भी पाया कमजोर हो जाए तो पूरी व्यवस्था असंतुलित हो जाती है। इसलिए विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका तथा अन्य लोकतांत्रिक संस्थाओं को संविधान की मयार्दाओं के अनुरूप अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनहित के कार्यों में यदि कोई अनावश्यक बाधा उत्पन्न करता है तो विधायिका को विशेषाधिकार जैसी संवैधानिक व्यवस्थाएं भी प्राप्त हैं, जिनका उद्देश्य सदन की गरिमा और अधिकारों की रक्षा करना है।

अपने संसदीय और प्रशासनिक अनुभव साझा करते हुए महाना ने कहा कि मंत्री और जनप्रतिनिधि के रूप में उन्होंने सदैव प्रदेश के विकास के साथ-साथ अपने विधानसभा क्षेत्र के विकास को भी समान महत्व दिया। उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों से आह्वान किया कि वे जनता से सतत संवाद बनाए रखें तथा अपने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहें।

उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली जैसे प्रखर संसदीय वक्ताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके भाषणों और संसदीय आचरण का अध्ययन प्रत्येक विधायक के लिए प्रेरणादायी है। उनसे संसदीय गरिमा, संवाद की मयार्दा तथा प्रभावी अभिव्यक्ति की कला सीखी जा सकती है।

महाना ने नवनिर्वाचित विधायकों को प्रेरित करते हुए कहा कि अच्छे कार्यों की जानकारी जनता तक पहुंचानी पड़ती है, जबकि गलत कार्य बिना बताए ही लोगों तक पहुंच जाते हैं। इसलिए प्रत्येक जनप्रतिनिधि को अपने आचरण, कार्यशैली और जनसेवा के प्रति सदैव सजग, पारदर्शी एवं उत्तरदायी रहना चाहिए। यही एक सफल जनप्रतिनिधि की सबसे बड़ी पहचान है।

कार्यक्रम में लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री किरण रिजीजू, राज्यसभा उपसभापति हरिवंश पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी, विधानसभा अध्यक्ष रथीन्द्र बोस समेत विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पीठासीन अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नवनिर्वाचित विधायक उपस्थित रहे।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में 20 जुलाई तक हर हाल में पूरे होंगे सभी निर्माण कार्य : कुलपति

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद में स्थित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में संचालित निर्माण एवं नवीनीकरण कार्यों की धीमी प्रगति तथा गुणवत्ता संबंधी कमियों पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। शनिवार को जहां विश्वविद्यालय प्रशासन ने कार्यदायी संस्था एवं संबंधित अधिकारियों को अंतिम चेतावनी जारी की। वहीं, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने अपरान्ह तीन बजे परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण किया और स्पष्ट शब्दों में कहा कि समय-सीमा, गुणवत्ता एवं पारदर्शिता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान सीएनडीएस द्वारा कराए जा रहे लाल भवन एवं पाणिनी भवन के नवीनीकरण कार्यों का कुलपति ने अवलोकन किया। कुलपति ने कार्यों की धीमी गति पर गहरी नाराजगी जता संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ 20 जुलाई 2026 तक हर हाल में पूर्ण किए जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की अधोसंरचना का विकास संस्थान की प्राथमिकताओं में शामिल है। ऐसे में निर्माण कार्यों में लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा मानकहीन कार्य किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगली समीक्षा तक अपेक्षित प्रगति नहीं मिली तो संबंधित अधिकारियों एवं जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर प्रशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कुलपति प्रो शर्मा ने कार्यदायी संस्था के ठेकेदार अनमोल तिवारी एवं संबंधित सहायक अभियंता को विशेष रूप से निर्देशित किया कि वे अतिरिक्त संसाधनों के साथ कार्यों में तेजी लाते हुए गुणवत्ता का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन स्वयं नियमित रूप से निर्माण कार्यों की निगरानी करेगा ताकि सभी परियोजनाएं निर्धारित समय पर पूर्ण होकर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के उपयोग के लिए उपलब्ध हो सकें। कुलपति ने परिसर में संचालित अन्य निर्माण एवं विकास कार्यों का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा सभी परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने पर बल दिया।

इस दौरान कुलसचिव राकेश कुमार, चीफ प्रॉक्टर प्रो. जितेन्द्र कुमार, अभियंता रामविजय सिंह सहित विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

सीएसजेएमयू के विभिन्न विभागों में दूसरे दिन भी दीक्षारंभ कार्यक्रम, विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों का किया मार्गदर्शन

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में दीक्षारंभ-2026 के दूसरे दिन शनिवार को विभिन्न विभागों में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, पुस्तकालय, डिजिटल संसाधनों, प्लेसमेंट, छात्र कल्याण योजनाओं, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों सहित विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी गई। साथ ही विशेषज्ञों और अतिथियों ने विद्यार्थियों को अनुशासन, नैतिक मूल्यों, शोध, नेतृत्व क्षमता और करियर निर्माण के प्रति प्रेरित किया।

अटल बिहारी वाजपेई स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज में आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने की। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश रेरा अपीलीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुनीत कुमार तथा उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त महाधिवक्ता अजय कुमार अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। न्यायमूर्ति रिजवी ने कहा कि विधि शिक्षा का उद्देश्य समाज में न्याय सुनिश्चित करना है और विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा व संवैधानिक मूल्यों को जीवन का आधार बनाना चाहिए। न्यायमूर्ति सुनीत कुमार ने साइबर लॉ, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स और आर्बिट्रेशन जैसे उभरते क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित करने पर जोर दिया। अजय कुमार अग्रवाल ने ईमानदारी और सेवा भाव को सफलता की कुंजी बताया। कार्यक्रम में विभाग की निदेशक डॉ. स्मृति रॉय सहित शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्कूल ऑफ आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज में आयोजित कार्यक्रम में निदेशक डॉ. अमित कुमार ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए अनुशासन, परिश्रम और उत्तम चरित्र के महत्व पर प्रकाश डाला। डीन प्रो. संदीप कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय जीवन व्यक्तित्व निर्माण और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

बीमा कंपनी के कर्मी की हत्या में दोषी को उम्रकैद

नोएडा। करीब चार वर्ष पहले हुए बीमा कंपनी के कर्मचारी राजकुमार की हत्या और लूट के बहुचर्चित मामले में गौतमबुद्धनगर की अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशीष कुमार चौरसिया की अदालत ने शनिवार को आसनसोल (पश्चिम बंगाल) निवासी आफताब खान को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 1.70 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। इसमें से 1.50 लाख रुपये मृतक की पत्नी खुशबू उर्फ ज्योति को प्रतिकर के रूप में दिए जाएंगे। जुमार्ना अदा न करने पर दोषी को एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

एडीजीसी अपराध नितिन कुमार त्यागी ने बताया कि अभियोजन के अनुसार राजकुमार मूल रूप से मथुरा के वेस्ट प्रताप नगर का निवासी था और सेक्टर-39 थाना क्षेत्र की सदरपुर कॉलोनी में किराये पर रहकर एक निजी बीमा कंपनी में कार्यरत था। कई दिनों तक संपर्क न होने पर परिजन नोएडा पहुंचे तो कमरे का ताला बाहर से बंद मिला। ताला खोलने पर राजकुमार का शव बिस्तर पर निर्वस्त्र अवस्था में पड़ा मिला। इसके बाद मृतक के भाई ललित कुमार ने हत्या की आशंका जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया।

जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले का खुलासा किया। मृतक के गायब मोबाइल फोन की आईएमईआई ट्रैकिंग से पता चला कि उसमें आरोपी आफताब खान के नाम से पंजीकृत सिम सक्रिय है। लोकेशन आसनसोल मिलने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से मृतक का मोबाइल और लैपटॉप बरामद कर लिया। जांच में सामने आया कि दोनों के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद था और इसी रंजिश में आरोपी ने तकिए के खोल से गला दबाकर हत्या कर दी थी।

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने प्रत्यक्षदर्शी और वैज्ञानिक साक्ष्यों के अभाव का हवाला देकर आरोपी को झूठा फंसाए जाने का दावा किया। हालांकि अदालत ने इसे खारिज करते हुए कहा कि यदि परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की श्रृंखला पूरी तरह आरोपी की ओर संकेत करती है और किसी अन्य संभावना को समाप्त कर देती है, तो उसी आधार पर दोषसिद्धि की जा सकती है। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष कॉल डिटेल रिकॉर्ड, आईएमईआई ट्रैकिंग, बरामदगी और अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के माध्यम से आरोपी का अपराध संदेह से परे सिद्ध करने में सफल रहा।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष का कठोर कारावास

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में विशेष न्यायालय (पोक्सो एक्ट) के अपर सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार खरवार ने शनिवार को एक गंभीर मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। न्यायालय ने नाबालिग लड़की से जबरन दुष्कर्म करने और उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के आरोपित बसन्त वर्मा को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

अभियोजक एडीजीसी रुद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को शाम बताया कि पीड़िता (16) अपने माता-पिता के साथ ग्राम सुरील स्थित एक ईंट भट्ठे पर मजदूरी करने गई थी। वहीं पर आरोपित बसन्त वर्मा (पुत्र गंगाराम, निवासी ग्राम भरखरी, थाना बिंवार, हमीरपुर) भी अपने परिवार के साथ काम करता था। अप्रैल 2021 में आरोपी ने मौका पाकर पीड़िता को अपनी झुग्गी में बुलाया और उसके साथ जबरन गलत काम (दुष्कर्म) किया तथा उसका वीडियो भी बना लिया। इसके बाद आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता को लगातार ब्लैकमेल करता रहा। नवंबर 2021 में जब पीड़िता अपने गांव वापस आई, तब भी आरोपी ने उसे डरा-धमकाकर पुनः गलत काम किया।

जब पीड़िता ने परिजनों को आपबीती बताई, तो शिकायत करने पर आरोपी के परिजनों ने पीड़िता के परिवार के साथ मारपीट भी की। इसके बाद थाना बिंवार में सुसंगत धाराओं और पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए न्यायालय ने पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी। दोनों पक्षों की दलीलें और चिकित्सीय साक्ष्यों को देखने के बाद अदालत ने बसन्त वर्मा को धारा-6 पोक्सो एक्ट के तहत 20 वर्ष के कठोर कारावास और 20,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। इसके अतिरिक्त, मारपीट व धमकी देने के आरोपों धारा 323, 504 भादंसं में भी उसे पृथक से 1-1 वर्ष के कारावास और जुमार्ने की सजा दी गई है, जो सभी साथ-साथ चलेंगी।

कुएं में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला अधेड़ का शव, जांच में जुटी पुलिस

अमेठी। अमेठी कोतवाली क्षेत्र के तिवारीपुर गांव में शनिवार को एक व्यक्ति का शव उसके ही घर के हाते में बने कुएं में संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर सर्विस की टीम ने शव को कुएं से बाहर निकलवाया।

मृतक की पहचान बैजनाथ पुत्र श्यामलाल (45) निवासी तिवारीपुर के रूप में हुई है।

अमेठी कोतवाली की प्रोफाइल निरीक्षक श्रीराम पांडे ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई। लाश को कुएं से बाहर निकलवाते हुए पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता लगाने के लिए पुलिस जांच में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

सुलतानपुर : हाईटेंशन लाइन की चपेट मे आने से दो की मौत

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के लंभुआ तहसील क्षेत्र के शंभूगंज बाजार में शनिवार शाम 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन टूटकर गिर गयी, उसकी चपेट में आए दो ग्रामीणों की मौत हो गई।

शंभूगंज-हनुमानगंज मार्ग पर करीब सात बजे शाम दोनों व्यक्ति हाईटेंशन तार के नीचे बैठकर सब्जी बेच रहे थे, तभी तार टूटकर उन पर गिर पड़ा।

तार की चपेट में आने से वे गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद बाजार में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शंभूगंज फीडर में सात बजकर दो मिनट पर ब्रेक डाउन दर्ज किया गया था।

रोडवेज बस और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर, ट्रैक्टर चालक की मौत, 11 यात्री जख्मी

बहराइच। उत्तर प्रदेश के जनपद बहराइच में रविवार तड़के करीब 5 बजे गोंडा से बहराइच आ रही वाराणसी कैंट डिपो की रोडवेज बस (संख्या UP78HT4651) चिलवरिया के पास आगे चल रही सीमेंट से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई।

इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई और बस में सवार यात्रियों में अफरातफरी मच गई।

अंबेडकर प्रतिमा से छेड़छाड़ पर भड़का गांव, एसडीएम के आश्वासन के बाद शांत हुआ मामला

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के चुनार-वाराणसी मार्ग पर नकहरा गांव के पास हाईवे किनारे स्थापित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को अराजक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला सामने आया है। रविवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। प्रतिमा की एक उंगली टूटी मिलने पर लोगों में आक्रोश फैल गया और मौके पर हंगामा शुरू हो गया, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाल विजय शंकर सिंह पटेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। हालांकि ग्रामीण उपजिलाधिकारी को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। बाद में एसडीएम राजेश कुमार वर्मा मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी लेने के बाद ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया। उन्होंने अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद स्थिति सामान्य हुई।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और एहतियात के तौर पर क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि घटना में शामिल अराजक तत्वों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

झोले में मिला महिला का क्षत-विक्षत शव, शिनाख्त कराने में जुटी पुलिस

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर में मड़ियाहूं कोतवाली थाना क्षेत्र के रानीपुर चौराहे के पास रविवार को एक झोले में अज्ञात महिला का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। शव की हालत बेहद खराब थी। महिला के दोनों हाथ और कमर के नीचे का हिस्सा अलग मिला, जिससे हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने की आशंका जताई जा रही है।

शव मिलने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना पर पहुंची मड़ियाहूं थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में ले लिया और जांच शुरू कर दी है। पुलिस फिलहाल मृतका की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि महिला की हत्या कहीं और करने के बाद शव को यहां लाकर फेंका गया या वारदात इसी क्षेत्र में हुई। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही अन्य साक्ष्य जुटाने में लगी है।

इस मामले में जानकारी लेने पर क्षेत्राधिकारी सदर परमानन्द कुशवाहा ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

लखनऊ में सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई कार, दो युवकों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोसाईगंज थाना क्षेत्रान्तर्गत गब्बर ढाबे के पास रविवार को एक स्विफ्ट कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच की जा रही हैं।

गोसाईगंज थाना प्रभारी ने बताया कि मृतकों की पहचान अमेठी जिले के ग्राम पड़री निवासी सौरभ यादव, अभिषेक यादव के रूप में हुई हैं। घायलों में इसी गांव के अजय यादव और तेजगढ़ का रहने वाले नितिन यादव को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये सभी लोग कार से कहीं जा रहे थे। लखनऊ के गोसाईंगंज थाना क्षेत्र स्थित गब्बर ढाबे के पास स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हैं।

घटना की जानकारी पर परिजन भी पहुंच गए। पुलिस ने शवों का पंचायतनामा परिजनों की उपस्थिति में संपन्न कर पोस्टमार्टम कराया गया। दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारु करा दिया गया है।

इतिहास के स्वर्णिम पलों का छह जुलाई को साक्षी बनेगा प्रयागराज : गणेश केसरवानी

प्रयागराज। विश्व प्रसिद्ध प्रयागराज छह जुलाई को एक ऐतिहासिक, गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी क्षण का साक्षी बनने जा रहा है। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयागराज आगमन की तैयारियों को लेकर हुई शनिवार को बैठक में प्रयागराज महापौर गणेश केसरवानी ने कही।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने प्रयागराज प्रवास के दौरान काली घाट बोट क्लब स्थित प्रेरणा पार्क का लोकार्पण करेंगे तथा राष्ट्र जीवन को नई दिशा देने वाले तीन महान विभूतियों–डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तथा विश्व हिन्दू परिषद के वरिष्ठ नेता अशोक सिंघल की भव्य प्रतिमाओं का अनावरण करेंगे। यह आयोजन प्रयागराज की सांस्कृतिक, वैचारिक एवं राष्ट्रीय चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला ऐतिहासिक अवसर माना जा रहा है।

इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारियों को लेकर महापौर गणेश केसरवानी ने विश्व हिन्दू परिषद, विभिन्न व्यापारिक संगठनों, प्रबुद्ध नागरिकों एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत बैठक कर सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। बैठक में सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, जनसहभागिता तथा आयोजन की गरिमा बनाए रखने के लिए आवश्यक सभी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि प्रेरणा पार्क केवल एक उद्यान नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक गौरव और महान विभूतियों के आदर्शों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने वाला एक जीवंत प्रेरणा केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के प्रति समर्पण, अटल बिहारी वाजपेयी का दूरदर्शी नेतृत्व और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अटूट विश्वास तथा अशोक सिंघल का भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा के संरक्षण में योगदान सदैव समाज का मार्गदर्शन करता रहेगा। महापौर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के करकमलों से होने वाला यह लोकार्पण समारोह प्रयागराज की सांस्कृतिक पहचान और विकास यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ेगा। यह आयोजन शहर के गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के साथ-साथ युवाओं को राष्ट्रसेवा, सामाजिक समर्पण और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ने की प्रेरणा भी देगा।

बैठक में उपस्थित सभी सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संस्थाओं एवं विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। सभी ने अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा आयोजन को भव्य, अनुशासित और यादगार बनाने का संकल्प लिया। महापौर ने नगर निगम एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, सुरक्षा, पार्किंग एवं यातायात प्रबंधन सहित सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय से पूर्व पूर्ण कर ली जाएं, ताकि प्रत्येक आगंतुक को उत्कृष्ट व्यवस्थाओं का अनुभव हो।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.65 अरब डॉलर घटा, स्वर्ण भंडार में भारी कमी

पश्चिम एशिया संघर्ष और रुपए पर दबाव के बीच गिरावट जारी

नई दिल्ली।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 26 जून को समाप्त सप्ताह में 5.65 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जिससे यह 666.93 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, यह गिरावट पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण रुपए पर बढ़ते दबाव और केंद्रीय बैंक के डॉलर बेचकर बाजार हस्तक्षेप के बाद आई है। फरवरी में 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद से विदेशी मुद्रा भंडार में कमी देखी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 11 मई से देशवासियों से विदेशी मुद्रा की बचत करने, विदेश यात्राएं कम करने और एक वर्ष तक सोने की खरीदारी से बचने की अपील की है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, इस सप्ताह स्वर्ण भंडार का मूल्य सर्वाधिक 5.39 अरब डॉलर घटकर 102.54 अरब डॉलर रह गया। वहीं, विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 15 करोड़ डॉलर और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.9 करोड़ डॉलर कम हो गए। एक अन्य आर्थिक घटनाक्रम में, शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई और बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुआ। आईटी शेयरों में शानदार खरीदारी और अनुकूल वैश्विक संकेतों से बाजार को मजबूती मिली।

सरकार गोल्ड मोनेटाईजेशन स्कीम 2.0 लॉन्च करने की तैयारी में

जौहरियों को बनाया जाएगा कलेक्शन पार्टनर, 1,000 टन सोना लाने का लक्ष्य

मुंबई।

केंद्र सरकार एक बार फिर अपनी गोल्ड मोनेटाईजेशन स्कीम (जीएमएस) को नए सिरे से पेश करने की तैयारी में है। इसका मुख्य उद्देश्य घरों और लॉकरों में पड़े अनुमानित 25,000 टन निष्क्रिय सोने को औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनाना है, जिससे देश का भारी सोने का आयात बिल कम हो सके और नकदी प्रवाह बढ़ सके। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस नई योजना में जौहरियों को भी कलेक्शन पार्टनर के रूप में शामिल किया जा सकता है, जिससे लोगों के लिए सोना जमा कराना आसान और भरोसेमंद बने। सरकार का लक्ष्य कुल 25,000 टन में से करीब 1,000 टन सोना बाजार में लाना है। यदि इसका सिर्फ 5 फीसदी हिस्सा भी सिस्टम में आता है, तो अर्थव्यवस्था में लगभग 8.5 लाख करोड़ रुपए की नकदी जुड़ सकती है और सोने का आयात बिल काफी कम हो सकता है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील से भी जुड़ी है, जिसमें उन्होंने लोगों से एक साल तक सोना न खरीदने की सलाह दी थी। 2015 में शुरू हुई जीएमएस का प्रदर्शन कमजोर रहा, 10 सालों में सिर्फ 38 टन सोना जुटाया जा सका। इसकी मुख्य वजहें भावनात्मक लगाव, टैक्स का डर, और ब्याज दरों (2.25-2.5 फीसदी) तथा सोने की कीमतों पर अनिश्चितता थीं। नई योजना इन चुनौतियों को दूर करने का प्रयास करेगी।

आईपीओ में म्यूचुअल फंडों की रिकॉर्ड भागीदारी, छोटे शेयरों की ओर बढ़ा रुझान

परिसंपत्ति प्रबंधक अब 4,000 करोड़ रुपये से कम पूंजी वाली कंपनियों पर लगा रहे दांव

नई दिल्ली।

ईरान युद्ध के बाद से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में म्यूचुअल फंडों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। प्राइमडेटाबेस डॉट कॉम के आंकड़ों के अनुसार फरवरी के अंत में युद्ध शुरू होने के बाद से आए 13 आईपीओ में जुटाई गई कुल रकम का 32.3 फीसदी हिस्सा म्यूचुअल फंडों से आया है, जो पहले के 20 फीसदी के आंकड़े से कहीं अधिक है। यह बढ़ोतरी कई वर्षों के उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जो छोटे बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों के प्रति परिसंपत्ति प्रबंधकों के बढ़ते रुझान को दर्शाती है। बढ़ती हिस्सेदारी का वार्षिक विश्लेषण: यह रुझान 2023 से लगातार बढ़ता दिख रहा है। 2023 में आए आईपीओ से मिली कुल रकम का 17 फीसदी हिस्सा म्यूचुअल फंडों ने खरीदा था, जो 2024 में बढ़कर 20 फीसदी, 2025 में 22 फीसदी और जून 2026 तक 29 फीसदी तक पहुंच गया था। हालांकि, ईरान युद्ध के बाद के 13 आईपीओ में यह आंकड़ा 32.3 फीसदी के साथ सबसे अधिक रहा, जो बाजार में म्यूचुअल फंडों के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। एक फाइनेंशियल सर्विसेज के अनुसार हाल के समय में बड़ी कंपनियों के मुकाबले छोटी कंपनियों के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया है।

शेयर बाजार का तूफानी हफ्ता, सुस्त शुरुआत के बाद धमाकेदार अंत

शुरुआती दो दिनों में भू-राजनीतिक तनाव और मासिक एक्सपायरी ने बाजार को डुबोया

मुंबई।

सप्ताह के पहले दिन सोमवार को शुरू हुआ कारोबारी हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। सोमवार और मंगलवार को वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और मासिक एक्सपायरी की अस्थिरता के कारण बाजार लाल निशान में रहे, जिससे निवेशकों में चिंता का माहौल रहा। हालांकि, बुधवार और गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और सकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते बाजार ने शानदार वापसी की। सप्ताह के अंत तक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों रिकॉर्ड नई ऊंचाइयों पर बंद होने में कामयाब रहे, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल दिखा। हफ्ते की शुरुआत सोमवार 29 जून को भारतीय शेयर बाजार में भू-राजनीतिक तनाव के चलते सुस्ती के साथ हुई। सोमवार को शुरुआती बढ़त के बाद सेंसेक्स लाल निशान पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी भी गिरावट के साथ अपने अहम 24,000 के स्तर से नीचे आ गया। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा, जहां मासिक एक्सपायरी की अस्थिरता के बीच प्रमुख सूचकांक लगातार दूसरे दिन लाल निशान में बंद हुए। इन दो कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स और निफ्टी में क्रमशः लगभग 0.48 फीसदी और 0.46 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई, जिससे निफ्टी 23,900 के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे खिसक गया। हालांकि, बुधवार को बाजार ने जोरदार वापसी की। वैश्विक इक्विटी में सकारात्मक रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में कमी ने निवेशकों को सहारा दिया, जिसके परिणामस्वरूप सेंसेक्स 443.97 अंक (0.58 फीसदी) और निफ्टी 140.10 अंक (0.59 फीसदी) की बढ़त के साथ बंद हुए।

सेडान स्लाविया का मिड-लाइफ फेसलिफ्ट वर्जन जल्द होगा लांच

नई दिल्ली।

स्कोडा की लोकप्रिय सेडान स्लाविया का मिड-लाइफ फेसलिफ्ट वर्जन इस साल अगस्त में लॉन्च होने वाला है। उम्मीद है कि अपडेटेड स्लाविया एक्सटीरियर और इंटीरियर दोनों में कई बड़े बदलावों के साथ आएगी, जिससे यह बाजार में अपनी स्थिति और मजबूत कर सके। एक्सटीरियर में सबसे बड़ा बदलाव फ्रंट लुक में दिखेगा, जहां पहले से बड़ी और अधिक बोल्ड फ्रंट ग्रिल दी जाएगी। इसमें नए डिज़ाइन वाले मोटे स्लैट्स और नई स्लिम एलईडी हेडलाइट्स होंगी, जिनके अंदर का डिज़ाइन भी पूरी तरह नया होगा। एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट्स (डीआरएल) का डिज़ाइन भी बदला जाएगा, जिसमें कुशाक फेसलिफ्ट की तरह डॉटेड कनेक्टेड पैटर्न देखने को मिल सकता है। इसके अलावा, फ्रंट बंपर को भी नए डिज़ाइन के साथ ऑफर किया जाएगा। कार के रियर में भी बदलाव किए जाएंगे, जिसमें नए डिज़ाइन की एलईडी टेललाइट्स मिलेंगी। साथ ही, कुशाक की तरह इल्यूमिनेटेड स्कोडा लेटरिंग भी देखने को मिलेगा, जिससे कार का प्रीमियम लुक बढ़ेगा। रियर बंपर का डिज़ाइन भी नया होगा, जो समग्र रूप से एक ताज़ा और आधुनिक अपील देगा।

आरबीआई ने बीओबी पर लगाया 63.6 लाख का जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक मानकों के उल्लंघन के आरोप में बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक के निरीक्षण में इन वित्तीय संस्थाओं में कई कमियां उजागर हुईं। बैंक आफ बड़ौदा पर 63.6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि एक वैधानिक निरीक्षण में पाया गया कि बैंक ने कुछ ऋण खातों में निर्धारित दर से अधिक ब्याज वसूला। इसके अतिरिक्त, बैंक कुछ ग्राहकों के केवाईसी रिकॉर्ड को निर्धारित समयसीमा के भीतर सेंट्रल केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री पर अपलोड करने में भी विफल रहा। इसी क्रम में जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर 3.1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। कंपनी केवाईसी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के साथ-साथ खातों के जोखिम वर्गीकरण की छह महीने में एक बार समीक्षा करने की प्रणाली लागू करने में नाकाम रही। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि ये जुर्माने केवल नियामक अनुपालन में पाई गई कमियों के लिए हैं और इनका उद्देश्य किसी भी लेनदेन की वैधता पर टिप्पणी करना नहीं है।

आर्थिक आंकड़ों में बड़ा बदलाव, वास्तविक जीडीपी गणना में अब पीपीआई डिफ्लेटर

जून तिमाही से लागू होगी नई गणना प्रणाली; 31 अगस्त को जारी होंगे संशोधित अनुमान

नई दिल्ली।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने भारतीय आर्थिक आंकड़ों की गणना में एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। मंत्रालय अब जून तिमाही (वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही) से वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों की गणना के लिए आउटपुट उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) को डिफ्लेटर के तौर पर इस्तेमाल करेगा। यह कदम देश के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक संकेतक के आकलन के तरीके में एक संरचनात्मक परिवर्तन लाएगा, जिसका उद्देश्य आर्थिक वास्तविकताओं को अधिक सटीक रूप से प्रतिबिंबित करना है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, सांख्यिकी मंत्रालय 31 अगस्त को पिछले वर्षों के लिए संशोधित वास्तविक जीडीपी अनुमान भी जारी करेगा, जिसमें डिफ्लेटर के तौर पर आउटपुट पीपीआई का इस्तेमाल किया जाएगा। इसी दिन वित्त वर्ष 2027 की अप्रैल-जून अवधि के लिए राष्ट्रीय लेखा के आंकड़े भी जारी किए जाएंगे। इस बदलाव का सीधा असर पिछले तीन वित्त वर्षों के आंकड़ों पर पड़ेगा। एक अधिकारी ने बताया, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही का जीडीपी डेटा आउटपुट पीपीआई पर आधारित होगा। वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के लिए जारी अनुमान स्थिर कीमतों पर अनुमान से बदल जाएंगे क्योंकि अब इसमें पीपीआई को शामिल किया जाएगा। संशोधित श्रृंखला अगस्त में आएगी।यह महत्वपूर्ण निर्णय सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा 29 जून को जारी औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) के आंकड़ों के बाद आया है, जिसमें थोक मूल्य सूचकांक (WPI) की जगह आउटपुट-पीपीआई का इस्तेमाल डिफ्लेटर के तौर पर किया गया था। इस पृष्ठभूमि में, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने 15 जून को भारत का पहला उत्पादक मूल्य सूचकांक ढांचा जारी किया था, जिसमें आउटपुट पीपीआई, इनपुट पीपीआई और सेवा पीपीआई शामिल हैं।

ईपीएफओ पोर्टल का बड़ा अपग्रेड यूएएन सेवाएं अब उमंग ऐप पर

सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ी, पोर्टल पर यूएएन ढूंढना हुआ आसान

नई दिल्ली।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने यूनिफाइड मेंबर पोर्टल को नए इंटरफेस और बेहतर सुरक्षा सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया है। एक सप्ताह के रखरखाव के बाद दोबारा शुरू हुए इस पोर्टल पर अब यूएएन एक्टिवेशन और नया यूएएन जनरेट करने जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं सीधे उपलब्ध नहीं होंगी। इन्हें सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ाने के उद्देश्य से उमंग ऐप पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इस बड़े बदलाव के बाद, अब ईपीएफओ सदस्य उमंग ऐप के माध्यम से ही अपने यूएएन को एक्टिवेट कर सकेंगे। इसके लिए आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन का उपयोग किया जा सकेगा।

इसी तरह नया यूएएन जनरेट करने या पहले से मौजूद पीएफ खाते से नए यूएएन को लिंक करने की प्रक्रिया भी अब केवल उमंग ऐप पर ही उपलब्ध होगी, जिसके लिए मोबाइल नंबर सत्यापन आवश्यक होगा। हालांकि ईपीएफओ ने अपने यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर यूएएन ढूंढना पहले से आसान बना दिया है। सदस्य अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर दर्ज कर, पहचान प्रमाण अपलोड करने और ओटीपी सत्यापन के बाद अपना यूएएन दोबारा प्राप्त कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त सदस्य की मृत्यु के बाद नॉमिनी या लाभार्थी द्वारा किए जाने वाले डेथ क्लेम और पेंशन से जुड़े दावे पहले की तरह ईपीएफओ के यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर ही उपलब्ध रहेंगे। उमंग भारत सरकार का एक आधिकारिक ऐप है, जो ईपीएफओ को सहित विभिन्न सरकारी सेवाओं को नागरिकों के लिए अधिक सुरक्षित, डिजिटल और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाता है।

इस कदम का उद्देश्य सेवाओं को और अधिक सुलभ और सुरक्षित बनाना है।

निर्यात में दोहरे अंक की वृद्धि का अनुमान

वित्त वर्ष 27 तक 1 ट्रिलियन डॉलर लक्ष्य की ओर भारत

नई दिल्ली।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की कि भारत को चालू वित्त वर्ष में वस्तु निर्यात में 16-17 प्रतिशत और सेवा निर्यात में 10-11 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। व्यापार बोर्ड की बैठक में उन्होंने बताया कि यह अनुमान भारत को वित्त वर्ष 2027 तक वस्तु निर्यात में लगभग 515 अरब और सेवा निर्यात में 470 अरब तक पहुंचने में मदद करेगा, जिससे देश कुल 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य की ओर अग्रसर होगा। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, बैठक में सतत और तकनीकी टेक्सटाइल, परफॉर्मेंस अपैरल और मेडिकल टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में उभरते अवसरों की पहचान की गई। निर्यात प्रोत्साहन प्रयासों को क्षेत्रीय विनिर्माण क्षमता से जोड़ने के लिए राज्य-केंद्रित उत्पादन का खाका भी प्रस्तुत किया गया। व्यापार नीति पर शीर्ष सलाहकार संस्था, बीओटी की बैठक में भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का प्रभावी ढंग से उपयोग करने, आयात का विकल्प तैयार करने और डंपिंग को रोकने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सरकार इस साल कम से कम दो और एफटीए लागू करने की तैयारी में है। एफटीए के इस्तेमाल को अधिकतम करने के लिए एक पांच-सूत्रीय रणनीतिक फ्रेमवर्क पर चर्चा की गई, जिसमें मौजूदा निर्यात को बढ़ावा देना, नए क्षेत्रों में विविधता लाना और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करना शामिल है।

सस्ते आयात से एल्युमीनियम उद्योग पर खतरा, सरकार से शुल्क बढ़ाने की मांग

घरेलू निवेश और सरकारी राजस्व पर पड़ रहा है गंभीर असर

नई दिल्ली।

एल्युमीनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएआई) ने सरकार से एल्युमीनियम उत्पादों पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) बढ़ाने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि सस्ते आयात और वैश्विक संरक्षणवाद के बढ़ते दबाव से घरेलू निवेश और सरकारी राजस्व पर गंभीर असर पड़ रहा है। एएआई ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को लिखे एक पत्र में कहा है कि भारतीय एल्युमीनियम उद्योग फिलहाल आयात में तेजी से वृद्धि और निर्यात बाजारों तक पहुंच में कमी जैसी दोहरी समस्याओं से जूझ रहा है। संगठन ने अनुमान लगाया है कि यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रहती है, तो वित्त वर्ष 2025-2026 में एल्युमीनियम आयात रिकॉर्ड 34.8 लाख टन प्रति वर्ष तक पहुंच सकता है, जिससे देश से 88,400 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा बाहर जाएगी। एएआई ने बताया कि भारतीय एल्युमीनियम उद्योग देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है, प्रति वर्ष लगभग 30,000 करोड़ रुपये का राजस्व देता है, आठ लाख नौकरियां प्रदान करता है और लगभग 4,000 एमएसएमई का समर्थन करता है। संगठन ने चेतावनी दी है कि बढ़ते आयात से प्रमुख उत्पादकों के 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर खतरा मंडरा रहा है। ये निवेश भविष्य में भारत की प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादन क्षमता को दोगुना कर 90 लाख टन प्रति वर्ष तक पहुंचाने और एक लाख से अधिक नई नौकरियां पैदा करने की क्षमता रखते हैं।

बच्चों के शोषण पर मेटा की जवाबदेही तय आईटी मंत्रालय ने भेजा समन

राजस्व से जुड़े मामलों में ज़िम्मेदारी से नहीं बच पाएगी कंपनी

नई दिल्ली।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों के गंभीर आरोपों के मद्देनजर इंटरनेट कंपनी मेटा को तलब किया है। मंत्रालय ने कंपनी के एल्गोरिदम और ऐसे मामलों में उसकी जवाबदेही पर स्पष्टीकरण मांगा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि राजस्व से जुड़े ऐसे मामलों में मेटा तीसरे पक्ष की सामग्री का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के निर्देश पर मंत्रालय ने मेटा से स्पष्टीकरण तलब किया है। यह कार्रवाई बीबीसी की उस रिपोर्ट के बाद की गई है जिसमें दावा किया गया था कि मेटा के प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण सामग्री वाले वीडियो और विज्ञापन उसके एल्गोरिदम द्वारा बढ़ावा दिए जा रहे थे, भले ही कंपनी की नीतियां इसकी अनुमति नहीं देती हैं। मंत्रालय ने मेटा से ऐसे विज्ञापनों की स्वीकृति, सुधारात्मक उपायों और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए किए गए सुरक्षा उपायों पर विस्तृत जानकारी मांगी है। यह इस सप्ताह मेटा के खिलाफ दूसरी नियामक कार्रवाई है। इससे पहले सरकार ने व्हाट्सऐप के 'यूजरनेम' फीचर को लेकर भी मेटा को नोटिस जारी कर उसे रोकने का निर्देश दिया था। आईटी अधिनियम की धारा 67बी के तहत बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री का प्रकाशन एक दंडनीय अपराध है।

मेटा ने अपने बयान में कहा है कि उसकी बाल यौन शोषण सामग्री के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति है और वह ऐसी सामग्री को हटाने के लिए उन्नत एआई का उपयोग करती है।

फार्मा कंपनियों को राहत, अब दवा की वास्तविक ओवरचार्जिंग पर ही होगी कार्रवाई

शर्तों का पालन अनिवार्य; नई दवाओं के लॉन्च की प्रक्रिया भी आसान हुई

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश (डीपीसीओ), 2013 में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। 30 जून को जारी इन बदलावों से दवा उद्योग को नियामक अनुपालन में आसानी होगी, वहीं नियमों का पालन और भी मजबूत बनेगा। विशेष रूप से, ओवरप्राइसिंग के मामलों में कंपनियों पर लगने वाला बोझ कम होगा और प्रक्रियाएं अधिक स्पष्ट होंगी।

उद्योग जगत ने इन संशोधनों का स्वागत किया है। संशोधित नियमों के अनुसार यदि सरकार द्वारा तय नई कीमत लागू होने के बाद कोई मूल्य-नियंत्रित दवा अधिक दाम पर बेची जाती है, तो ऐसे मामलों में दवा कंपनियों को पहले से अधिक राहत मिलेगी। अब यदि कंपनी यह साबित कर देती है कि उसने नई कीमतों की जानकारी सभी संबंधित वितरकों और खुदरा विक्रेताओं तक सही ढंग से पहुंचाई थी, तो उसकी जिम्मेदारी केवल उतनी ही दवाओं तक सीमित होगी जितनी मात्रा वास्तव में अधिक कीमत पर बेची गई हो। इंडियन फार्मास्युटिकल एलायंस (आईपीए) के महासचिव सुदर्शन जैन ने इन बदलावों का स्वागत करते हुए कहा कि इससे प्रक्रियाएं आसान होंगी और डीपीसीओ नियमों का पालन मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था अब अधिक न्यायसंगत और स्पष्ट होगी, जिससे आपूर्ति श्रृंखला में सभी की जवाबदेही तय होगी। हालांकि, इस राहत के साथ कुछ सख्त नियम भी जोड़े गए हैं। कंपनियों को यह साबित करना होगा कि उन्होंने नई कीमतों की सूची सभी डीलरों और खुदरा विक्रेताओं को भेजी, कीमतों में कमी की सूचना कम से कम दो राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई, अपनी वेबसाइट पर नई कीमतें अद्यतन कीं, संशोधित मूल्य सूची जारी की और प्रत्येक बैच के उत्पादन व स्टॉक का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा।

सरकार ने कुछ अन्य प्रक्रियाओं को भी आसान बनाया है। यदि कोई दवा निर्माता ऐसी नई दवा बाजार में लाता है जिसकी खुदरा कीमत सरकार पहले ही तय कर चुकी है, और वह दवा उसी कीमत तय होने के 12 महीने के भीतर लॉन्च की जाती है, तो कंपनी को राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) से दोबारा कीमत की मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं होगी। अब उसे केवल नए फॉर्म 1ए के माध्यम से दवा लॉन्च होने की जानकारी एक महीने के भीतर देनी होगी।

आरबीआई की एफसीएनआर (बी) योजना ने खींचा अनिवासी भारतीयों का ध्यान

60 अरब डॉलर की उम्मीद, खाड़ी देशों से डॉलर की बौछार तय, अमेरिका-यूरोप से कम उम्मीदें

नई दिल्ली।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की विशेष फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (बैंक) जमा योजना भारतीय बैंकों के लिए एक बड़े अवसर के तौर पर उभर रही है, जिसके तहत 60 अरब डॉलर से अधिक की अनिवासी भारतीय (एनआरआई) जमा राशि आकर्षित करने की उम्मीद है। खाड़ी देशों, सिंगापुर और हांगकांग के एनआरआई इस विशाल राशि के मुख्य स्रोत बनने की उम्मीद है, जिसकी अधिकांश आवक अगस्त महीने में होने का अनुमान है। शुरुआती अनुमान बताते हैं कि इस योजना के तहत अब तक लगभग 4 अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं, जो इसके सफल आगाज का संकेत है।

योजना का खाका और बैंकों की रणनीति- आरबीआई ने 8 जून को इस योजना का खाका जारी किया था और हाल ही में अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) के माध्यम से परिचालन संबंधी स्पष्टीकरण भी दिए हैं।

इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे प्रमुख ऋणदाताओं ने इसे सक्रिय रूप से लागू करना शुरू कर दिया है। ये बैंक विशेष रूप से उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों (एचएनआई) को आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिन्हें इस योजना के तहत निवेशकों को 9 गुना (9×) तक लीवरेज की सुविधा प्रदान करती है। इससे पांच साल के लिए डॉलर में लगभग 18-20% का प्रभावी रिटर्न मिलने की उम्मीद है। यह योजना 8 जून से 30 सितंबर 2026 के बीच किए गए सभी नए एफसीएनआर(बी) जमा पर लागू होगी, जिसमें आरबीआई हेजिंग की पूरी लागत वहन करेगा।

क्षेत्रीय फोकस और चुनौतियां- बैंकरों का मानना है कि खाड़ी देशों और एशिया के अन्य बाजारों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाएगा, क्योंकि वहां भारतीय समुदाय बड़ी संख्या में एक ही स्थान पर केंद्रित है, जैसे दुबई, अबू धाबी और सिंगापुर। वहीं अमेरिका के शेयर बाजार में जारी तेजी के कारण वहां के एनआरआई बैंक जमा के बजाय शेयर बाजार में निवेश बनाए रखना पसंद कर रहे हैं, जिससे अमेरिका और लंदन से निवेश अपेक्षाकृत कम रहने की संभावना है।

खाड़ी देशों में भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण एनआरआई अपने निवेश का पुनर्वितरण करने के लिए भी अधिक इच्छुक हैं।

आखिरी दिन प्रज्ञानंद ने मारी बाजी, लगातार तीन जीत के दम पर संयुक्त नंबर-1 बने भारतीय स्टार

जैग्रेब (क्रोएशिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण के रैपिड सेक्शन के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने आखिरी दिन लगातार तीन मैच जीतकर कुल 12 अंकों के साथ फ्रांस के फिरौज्जा अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया है। दूसरे दिन के खेल के बाद प्रज्ञानंद थोड़ा पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने आखिरी तीन दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल बचाकर रखा था। उन्होंने क्रोएशिया के इवान सारिक, रोमानिया के डीक बोग्डन-डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरी को शिकस्त देकर अलीरेजा की बराबरी की।

इस प्रतियोगिता के रैपिड सेक्शन में फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने भी बेहतरीन अंत किया। ये दोनों खिलाड़ी 11 अंकों के साथ शीर्ष पर मौजूद दोनों लीडर्स के बेहद करीब बने हुए हैं। वहीं, भारत के विश्व चैंपियन डी गुकेश और जर्मनी के विंसेंट कीमर भी 10-10 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे मजबूती से डटे हुए हैं।ब्लिट्ज सेक्शन में अभी 18 दौर के मुकाबले खेले जाने बाकी हैं। फिलहाल, अनीश गिरी आठ अंकों पर हैं और वह डीक बोग्डन-डेनियल तथा नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट से एक पूरा अंक आगे हैं। इसके विपरीत, इवान सारिक के खाते में केवल दो अंक हैं और वह अंक तालिका में सबसे आखिरी स्थान पर हैं।

प्रज्ञानंद ने आखिरी तीन राउंड में विपक्षी दिग्गजों को कैसे मात दी

प्रज्ञानंद के लिए दिन की शुरुआत बेहद सकारात्मक रही। टूर्नामेंट में संघर्ष कर रहे इवान सारिक के खिलाफ शुरुआती चालों के बाद ही भारतीय खिलाड़ी मजबूत स्थिति में आ गए थे। कारो-कैन डिफेंस की वजह से प्रज्ञानंद को शुरुआत से ही सक्रिय स्थिति मिल गई थी। हालांकि इसे जीत में बदलने में लंबा समय लगा, लेकिन प्रज्ञानंद का खेल पर पूरा नियंत्रण बना रहा। दूसरे मुकाबले में प्रज्ञानंद ने पेट्रोफ डिफेंस का सामना करते हुए डीक बोग्डन-डेनियल की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। खेल की 15वीं चाल तक ही परिणाम की तस्वीर साफ होने लगी थी। रोमानियाई खिलाड़ी ने जल्द ही अपना एक मोहरा गंवा दिया और वह मुकाबले में दोबारा वापसी नहीं कर सके।दिन के आखिरी मैच में प्रज्ञानंद ने आम तौर पर मजबूत माने जाने वाले अनीश गिरी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने कैटलन ओपनिंग के जरिए एक प्यादा जीता और फिर बेहतरीन टैक्टिकल सूझबूझ दिखाते हुए मैच को कुशलता से समाप्त किया। यह मुकाबला महज 34 चालों में ही खत्म हो गया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन कुछ अलग साबित हुआ

प्रज्ञानंद के विपरीत, सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन थोड़ा अलग और मिलाजुला रहा। वह अपने तीनों मुकाबले ड्रॉ ही खेल सके, जिसके कारण वह शीर्ष रेस में थोड़े पीछे रह गए। अब्दुसत्तोरोव, कीमर और अलीरेजा इन तीनों ही खिलाड़ियों ने गुकेश के साथ अंक बांटे।

रैपिड सेक्शन के 9 दौर के बाद क्या है अंक तालिका की स्थिति

पहला-दूसरा स्थानः फिरौज्जा अलीरेजा (फ्रांस), आर प्रज्ञानंद (भारत)- 12 अंक प्रत्येक
तीसरा-चौथा स्थानः मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव (फ्रांस), नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव (उज्बेकिस्तान)- 11 अंक प्रत्येक
पांचवां-छठा स्थानः डी गुकेश (भारत), विंसेंट कीमर (जर्मनी)- 10 अंक प्रत्येक
सातवां स्थानः अनीश गिरी (नीदरलैंड)- 8 अंक
आठवां-नौवां स्थानः डीक बोग्डन-डेनियल (रोमानिया), जॉर्डन वैन फोरेस्ट (नीदरलैंड)- 7 अंक प्रत्येक
दसवां स्थानः इवान सारिक (क्रोएशिया)- 2 अंक

मेसी के विश्वकप में 20 गोल

एम्बाप्पे पर बनाई बढ़त गोल्डन बूट की दौड़ में आगे

मियामी, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी ने फिर गोल किया और केप वर्डे के खिलाफ फीफा विश्व कप का लगातार आठवां मैच था जिसमें अर्जेंटीना के कप्तान ने कम से कम एक गोल दागा है। मेसी ने केप वर्डे के खिलाफ 29वें मिनट में विश्व कप के अपने करियर का 20वां गोल किया। वह विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे उनसे दो गोल पीछे हैं।

मेसी ने दागा मौजूदा विश्व कप का सातवां गोल

इस साल टूर्नामेंट में मेसी का यह सातवां गोल था और गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बाप्पे उनसे एक गोल पीछे हैं। पिछले आठ विश्व कप मैचों में मेसी 12 गोल कर चुके हैं। मेसी के साथ अर्जेंटीना और इंटर मियामी के लिए खेलने वाले रॉड्रिगो डि पॉल ने कहा, मेरे लिए मेसी की दोस्ती सबसे अहम चीज है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इन पलों में उसके साथ मैदान पर हूं।मेसी ने मार्टिनेज के पास पर केप वर्डे के स्टार गोलकीपर वोजिन्हा को छकाते हुए यह गोल दागा। मेसी और एम्बाप्पे के अलावा नॉर्वे के एर्लिंग हालंद और इंग्लैंड के हैरी केन भी पांच-पांच गोल करके विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने के गोल्डन बूट पुरस्कार की दौड़ में हैं। फ्रांस के उस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबाल, ब्राजील के विनिशियस जूनियर और सेनेगल के इस्माइला सार ने चार-चार गोल किए हैं। सार दौड़ से बाहर हैं क्योंकि सेनेगल बाहर हो चुकी है।

कभी गोल्डन बूट नहीं जीत सके हैं मेसी

नॉर्वे, इंग्लैंड और फ्रांस अंतिम 16 में हैं। केप वर्डे को हराकर अर्जेंटीना भी अगले दौर में पहुंच चुका है। मेसी ने कभी गोल्डन बूट नहीं जीता। विश्व कप 2022 में सात गोल करके वह एम्बाप्पे से एक गोल पीछे रह गए थे, जबकि 2014 में चार गोल करके संयुक्त तीसरे स्थान पर थे। अगर टूर्नामेंट के बाद शीर्ष पर टाई रहता है तो फीफा पहले टाइब्रेकर के रूप में यह देखेगा कि कितने गोल में मदद की है और दूसरा टाइब्रेकर यह होगा कि मैदान पर किसने कम समय बिताया है। एमेबाप्पे गोल में सहायता के मामले में मेस्सी से 2-0 से आगे हैं।

पेनल्टी शूटआउट में मिस्र का कमाल ऑस्ट्रेलिया को हरा राउंड ऑफ-16 में

डलास, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मिस्र ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में जीत दर्ज की। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मिस्र ने अपनी चारों पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली, जबकि ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन अपने प्रयासों में चूक गए।

मुकाबले की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया और क्रिस्टियन वोल्पाटो का लंबी दूरी का शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके कुछ ही मिनट बाद मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बना ली। सेट पीस से बने मौके पर करीम हाफेज के क्रॉस को इमाम अशूर ने शानदार हेडर के जरिए गोल में बदल दिया। विश्व कप में अशूर का यह लगातार दूसरा गोल रहा।दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी हासिल कर ली। 55वें मिनट में एडेन ओ'नील की फ्री-किक पर मिस्र के डिफेंडर मोहामेद हानी ने गेंद को क्लियर करने की कोशिश में अपनी ही टीम के गोल में पहुंचा दिया। इस आत्मघाती गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया और मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया।

दोनों टीमों को मिले मौके

अतिरिक्त समय में मिस्र के पास मैच खत्म करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर पैट्रिक बीच ने रामी राबिया के दमदार हेडर पर शानदार एक हाथ से बचाव किया। इसके बाद मोहम्मद सलाह ने हैसम हसन के लिए मौका बनाया, लेकिन हैरी साउटर ने बेहतरीन ब्लॉक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को बचा लिया।निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में फैसला नहीं होने के बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। मिस्र ने अपनी सभी चार पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली। स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सलाह ने भी शानदार 'पानेन्का' शैली में पेनल्टी को गोल में बदल दिया। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन पेनल्टी चूक गए, जिससे मिस्र ने 4-2 से जीत दर्ज कर ली।

अल-नासर को मिला नया कोच, एंजे को मिली कमान

सऊदी अरब के दिग्गज क्लब अल-नासर ने ऑस्ट्रेलियाई कोच एंजे पोस्टेकोग्लू को अपनी पहली फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। क्लब ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि पोस्टेकोग्लू के साथ दो साल का अनुबंध किया गया है।एंजे पोस्टेकोग्लू पुर्तगाली कोच जॉर्ज जीसस की जगह लेंगे। क्लब ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत। एंजे पोस्टेकोग्लू को अल-नासर की पहली फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनका अनुबंध दो सीजन के लिए है। हम उन्हें और उनके सहयोगी स्टाफ को क्लब के साथ सफल सफर की शुभकामनाएं देते हैं।'पोस्टेकोग्लू के सामने सबसे बड़ी चुनौती पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की होगी। इसके अलावा वह सादियो माने, किंग्सले कोमन और जोआओ फेलिक्स जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी कोचिंग देंगे। इस समय 41 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल की ओर से फीफा विश्व कप 2026 में खेल रहे हैं। उन्होंने क्रोएशिया के खिलाफ राउंड ऑफ 32 मुकाबले में पेनल्टी के जरिए बराबरी का गोल दागा था। हालांकि बाद में उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया और गोंकालो रामोस ने विजयी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई।

विश्व कप से पहले भारत ने दिया बड़ा संदेश

फुल्टन बोले- गेम प्लान पर टिके रहे तो जीत हमारी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। एफआईएच प्रो लीग में कुल मिलाकर निराशाजनक अभियान के बावजूद आखिरी चरण में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन कर अपने इरादे साफ कर दिए। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद मुख्य कोच क्रेग फुल्टन का मानना है कि अगर टीम अपने गेम प्लान पर कायम रही तो दुनिया की किसी भी टीम को मात दे सकती है।

जर्मनी और नीदरलैंड पर जीत से बढ़ा टीम का आत्मविश्वास?

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि प्रो लीग के दौरान टीम का आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष टीमों पर जीत और इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम अपने गेम प्लान पर अमल करे तो किसी भी टीम को चुनौती देने और हराने की क्षमता रखती है। उन्होंने इसे विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अच्छा संकेत बताया, हालांकि प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत भी बताई।

टीम दबाव में पहले से ज्यादा मजबूत हुई

फुल्टन ने कहा कि टीम ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग टीमों की खेल शैली के अनुसार खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। उनके अनुसार यही अनुभव विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के काम आएगा और टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

प्रो लीग भारत के लिए मुश्किल रही थी

राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट चरण में टीम ने सुधार के संकेत दिए। स्पेन से शुरुआती हार के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला, हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में हार मिली। अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद भारत ने शूटआउट 3-1 से जीत लिया।यूरोप चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। रॉटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराया। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फील्ड गोल और चार पेनल्टी कॉर्नर से आए। इसके बाद लंदन में पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय तक अपराजित रहा।

हरमनप्रीत सिंह ने भी जताया भरोसा

होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम की कप्तानी संभालने लौटे हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों को हराना हमेशा खास होता है और इससे पता चलता है कि टीम की मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने कहा कि विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में टीम इन सकारात्मक पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ेगी।

नोवाक जोकोविच ने रचा इतिहास

जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली, एजेंसी। सात बार के विंबलडन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने तीसरे दौर में फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-4, 1-6, 7-6(4) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल (चौथे दौर) में जगह बना ली। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

फेडरर की बराबरी, अब सिर्फ एक खिलाड़ी आगे

39 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज अब विंबलडन में पुरुष एकल के इतिहास में सबसे ज्यादा 105 मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोजर फेडरर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। पूरे इतिहास में उनसे आगे सिर्फ महिला टेनिस की दिग्गज मार्टिना नवरातिलोवा हैं, जिन्होंने विंबलडन में 120 एकल मुकाबले जीते हैं।

जोकोविच बोले- इतिहास बनाना मेरे लिए सम्मान की बात

जीत के बाद जोकोविच ने कहा कि इस खेल में इतिहास रचना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, 'इस खेल में इतिहास बनाना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और सौभाग्य है। खासकर विंबलडन में, क्योंकि बचपन से यही मेरा सपना रहा है। मैं 105 या 106 जीत के बारे में नहीं सोच रहा, मेरा पूरा ध्यान हर मैच जीतने पर है।'उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'आज मैं सामान्य से ज्यादा दबाव में था। मुझे पता था कि मुकाबला आसान नहीं होगा। मैं खुश हूं कि इसे जीत पाया। अब मैं चाहता हूं कि 106वीं जीत के लिए मेरा मुकाबला रोजर फेडरर से ही हो जाए।'

रिंदरकनेच ने दी कड़ी टक्कर

दूसरे दौर में स्टेफानोस सित्सिपास को सीधे सेटों में हराने वाले जोकोविच इस बार अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नजर नहीं आए। फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच ने पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए तीसरा सेट 6-1 से अपने नाम किया। चौथे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी और रोमांचक रैलियां देखने को मिलीं। रिंदरकनेच ने कई शानदार सर्विस और वॉली से दर्शकों को प्रभावित किया, लेकिन टाई-ब्रेक में जोकोविच के अनुभव ने बाजी पलट दी।

अब चौथे दौर में रोमन सफियुलिन से मुकाबला

अब जोकोविच का सामना चौथे दौर में क्वालिफायर रोमन सफियुलिन से होगा। सफियुलिन ने तीसरे दौर में ब्राजील के जोआओ फोन्सेका को 6-3, 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। चोटों से जूझने वाले सफियुलिन ने इस साल विंबलडन से पहले टूर स्तर पर एक भी मैच नहीं जीता था।

विंबलडन में सबसे ज्यादा एकल मैच जीत

मार्टिना नवरातिलोवा	120 जीत
रोजर फेडरर	105 जीत
नोवाक जोकोविच	105 जीत

आजमा कर देखें
सेहत के लिए असरदार दवा है म्यूजिक थेरेपी

कल्पना कीजिए... सुबह-सुबह का समय... पक्षियों की चहचहाहट और हवा की मधुर सरसराहट के बीच आप भी बगीचे में ध्यान लगा रहे हैं, अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं... निश्चित ही यह एक सुखद अहसास है। यकीनन यह संगीत की ताकत है। वैसे भी कहा गया है कि संगीत मधुरता के साथ भावनाएं व्यक्त करने का ऐसा माध्यम है, जो सीधा आत्मा को छूता है। संगीत को हमेशा से मानसिक स्वास्थ्य से जोड़ा गया है। संगीत इंसान को खुश, दुखी या तनावपूर्ण बना सकता है। इसीलिए कोई आश्चर्य नहीं कि प्राचीन समय से संगीत को एक मरहम के रूप में प्रयुक्त किया गया है। यहां तक कि मेडिसिन के जनक कहे जाने वाले हिप्पोक्रेट्स भी विभिन्न बीमारियों में म्यूजिक थेरेपी का इस्तेमाल करते थे। समय के साथ विज्ञान और तकनीक का विकास हुआ और आज इंसान के पास इस बात के पुख्ता प्रमाण हैं कि म्यूजिक एक असरदार दवा के रूप में काम कर सकता है। जानिए म्यूजिक थेरेपी के बारे में -

मैजिक ऑफ म्यूजिक

म्यूजिक वास्तव में विभिन्न वाइब्रेशन्स की सीरीज है, जो साउंड क्रिएट करते हैं। चूंकि शरीर इन वाइब्रेशन्स को ग्रहण करता है, इसलिए इससे कई शारीरिक बदलाव भी होते हैं। म्यूजिक के प्रकार पर निर्भर करते हुए ये बदलाव अच्छे या बुरे हो सकते हैं। जहां शांत संगीत तनाव घटाता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है, वहीं ज्यादा शोर वाला संगीत लोगों को गुस्सैल बनाता है और आत्महत्या वाले विचार पैदा करता है। हालांकि संगीत के शरीर पर होने वाले असर का अब तक अध्ययन जारी है।

बच्चों में अलर्ट रहने की आदत बढ़ी

संगीत के असर को समझने के लिए बेथ इजराइल मेडिकल सेंटर के लुईस आर्मस्ट्रॉन्ग सेंटर ऑफ म्यूजिक एंड मेडिसिन में एक रिसर्च की गई। इसमें 32 हफ्तों वाले 272 प्री-मैच्योर नवजात शिशुओं को शामिल किया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि इन नवजात शिशुओं को जब किसी भी रूप में संगीत (गाना या इंस्ट्रूमेंटल) सुनाया गया तो उनकी हार्ट रेट धीमी पड़ गई। इसमें भी गाने के बोल वाला संगीत ज्यादा असरदार रहा। इससे बच्चों के शांत, लेकिन अलर्ट रहने की आदत भी बढ़ी। इसी स्टडी के लेखक जोनन लोवी के मुताबिक, म्यूजिक थेरेपी से माता-पिता का तनाव भी कम हुआ है।

मानसिक स्वास्थ्य और कैंसर के मैनेजमेंट में भी सहायक है संगीत

मनोवैज्ञानिक डेनियल जे. लेविटिन कहते हैं, कि आजकल शारीरिक बीमारियों के इलाज के लिए गाने, ध्वनि और लय का बेहतर उपयोग किया जाने लगा है। यह न केवल नवजात शिशुओं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और कैंसर के मैनेजमेंट में भी सहायक है। डेनियल के अनुसार कि हमें इस बात के पुख्ता प्रमाण मिल चुके हैं कि ऑपरेशन थिएटर से लेकर फैमिली क्लीनिक तक में म्यूजिक हेल्थ-केयर की भूमिका निभा सकता है। उन्होंने अपनी एक किताब में विस्तार से बताया है कि किसी तरह संगीत सेहत को प्रभावित करता है।

क्या है म्यूजिक थेरेपी?

जब कोई मान्यता प्राप्त म्यूजिक थेरेपिस्ट अपने विभिन्न प्रकार के म्यूजिक की मदद से इंसान को उसकी परेशानी या बीमारी से उबरने में सहायता करता है तो इसे म्यूजिक थेरेपी कहते हैं। म्यूजिक थेरेपिस्ट इस बात का गहरा जानकार होता है कि किस तरह संगीत लोगों में भावनात्मक प्रतिक्रियाएं पैदा कर उन्हें आराम और सुकून पहुंचा सकता है। म्यूजिक थेरेपिस्ट, इंसान की बीमारी के हिसाब से उस म्यूजिकल स्टाइल का पता लगाता है, जो मरीज को ध्यान की अवस्था में पहुंचा सके और उसके लिए फिजिकल रिहेब सेशन के रूप में काम कर सके। म्यूजिक थेरेपिस्ट पता लगा लेते हैं कि मरीज को किस तरह का म्यूजिक पसंद है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की मैग्जीन हार्वर्ड हेल्थ पब्लिशिंग में एक म्यूजिक थेरेपिस्ट हॉली चार्ट्रेंड का जिक्र है। ये हार्वर्ड से संबद्ध मैसेचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल में म्यूजिक थेरेपिस्ट हैं। उन्होंने सबसे पहले एक सिंगर को तैयार किया। वह एक महिला थी, जिसके मन में म्यूजिक की मदद से दूसरों की मदद करने का विचार आया और उसने म्यूजिक थेरेपिस्ट बनने का ठान लिया। वह कहती हैं कि मेरे काम का सबसे अच्छा पक्ष यह देखना है कि जो शख्स अच्छा महसूस नहीं कर रहा है, संगीत उसकी जिंदगी में कितना बड़ा असर डाल सकता है। अमेरिकन जर्नल ऑफ होस्पाइस एंड पालिएटिव मेडिसिन मैग्जीन में लिखा है कि म्यूजिक थेरेपी से तनाव घटता है, मरीज रिलेक्स महसूस करता है, उसे दर्द से मुक्ति मिलती है, इमोशनल सपोर्ट मिलता है और अच्छा महसूस होता है। इस अध्ययन में 57 मरीजों और 53 परिजन को म्यूजिक थेरेपी दी गई थी। मरीजों ने बताया कि उन्हें तनाव और दर्द से मुक्ति मिली है। इस तरह म्यूजिक जिदंगी की गुणवत्ता तो बढ़ाता ही है, बीमारी और अन्य विकार से उबरने में भी सहायक है।

संगीत सुनने से एंटीबॉडी इम्युनोग्लोबुलिन ए का बनना हो जाता है तेज

अनुसंधानकर्ताओं ने पाया है कि संगीत सुनने से शरीर में एंटीबॉडी इम्युनोग्लोबुलिन ए (आईजीए) का बनना तेज हो जाता है। साथ ही मारक क्षमता रखने वाली सेल्स (कोशिका) बढ़ जाती है। इन सेल्स का काम विभिन्न वायरस के हमलों से रक्षा करना और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है। इसके साथ ही म्यूजिक तनाव तो कम करता ही है। यही कारण है कि म्यूजिक का संबंध रिलेक्सेशन से है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु — ये यो भा भी भू
बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3938

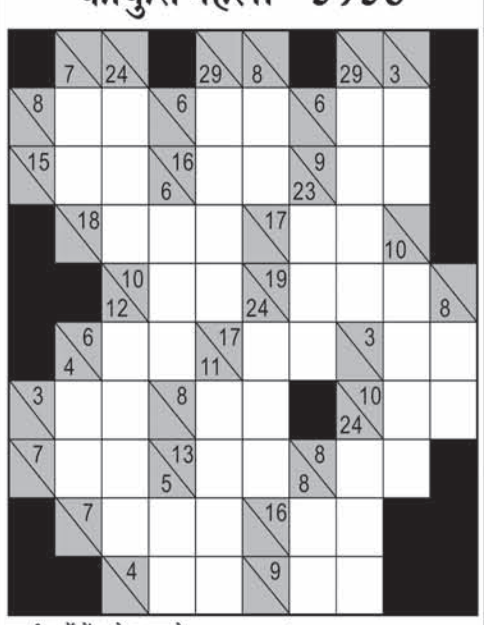

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

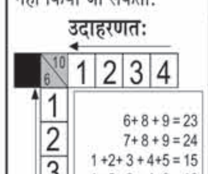

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3937 का हल

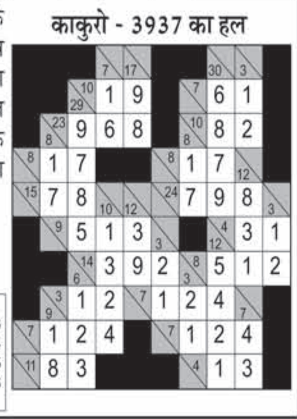

हंसी के फूव्वारें

जज (चोर से) - तुम्हारी जेब में जो कुछ है, उसे निकालकर मेज पर रख दो.
चोर (जज से)- यह तो सरासर नाइंसाफी है हुजूर. माल का आधा-आधा होना चाहिए.

□ □ □

बबलू (मम्मी से) - मम्मी प्लीज ये रस्सी अपनी जीभ से काट दो.
मम्मी (बबलू से) - बेवकूफ रस्सी जीभ से कैसे कट सकती है?
बबलू (मम्मी से) - क्यों? कल ही तो पापा कह रहे थे कि आपकी जुबान कैंची की तरह चलती है.

□ □ □

युवा फिल्म अभिनेता (प्रेमिका से)- आज तक मुझसे शादी के सैकड़ों निवेदन किए जा चुके हैं.
प्रेमिका (अभिनेता से)- अच्छा, किस-किस ने निवेदन किया?
अभिनेता (प्रेमिका से) - 'मेरे मम्मी और डैडी ने.' अभिनेता मुस्कराते हुए बोला.

□ □ □

एक छाताधारी सैनिक से उनके अफसर ने पूछा, 'तुमने कितनी बार हवाई जहाज से छलांग लगाई है.'
'केवल एक बार.' सैनिक ने कहा.
'लेकिन तुम्हारे सर्विस रिकार्ड मे तो पन्द्रह बार लिखा हुआ है.'
'शेष चौदह बार तो मुझे धकेला गया था.' सैनिक ने कहा.

फिल्म वर्ग पहेली- 3938

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दपनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3937

सूडोकु -3938

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3937 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 3938

बाएँ से दाएँ

1.बलवान,ताकतवर-4
3.गाल,कपोल(ऊर्दू)-4
6.अनाज, धान-2
7.अवनति-3
8.जीवन तत्व-2
10.पुलिसकर्मी-4
11.भीगा हुआ-2
13.घमंडी,अभिमानी-4
15.दर्शन-3
17.अजदहा,शयालु-4
20.वायु रोग-2
21.दोस्त,सखा-3
23.ख्वाब,स्वप्न-3
25.अपशिष्ट पदार्थ-2
26.जंगल की आग-4
29.पुत्र,लड़का-3
31.पैगंबर,महापुरुष-4
32.राय,वोट-2
34.आफिस,दफ्तर-4
35.वीज,वीर्य-2
37.घर,भवन-3
39.सप्तम-2
40.आक्रमण,हमला-4
41.बलवान,सबल-4

ऊपर से नीचे

1.एक छोटी डबलरोटी-2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3.मौसम,ऋतु-2
4.खोदना-3
5.छुट्टी,अवकाश-2
6.उदास,दुखी-4
7.पंख,पराया-2
9.जहीनता-4
10.आवश्यकता-4
12.अभिमान,गरुर-2
14.अग्नि,अनल-2
16.विदा होना-3
18.कुशल-3
19.फलों का रस-2
21.संगम,मिलना-3
22.वायदा-2
24.हार,मात-4
25.स्वार्थी-4
27.दीवार (अंग्रेजी-2)
28.आदत-4
30.यमराज-2
31.उथल-पुथल-4
33.पदक-3
34.श्रवणेंद्रिय-2
36.जीत,विजय-2
38.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.पत्नी की बहन-2

शब्द पहेली -3937 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी